आषाढ़ कृष्ण पक्ष -प्रतिपदा, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 10 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

15 जुलाई 2026 बुधवार

आज का मौसम

33.2 अधिकतम

25.2 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

एमपी गजब है... पर्यटन और निवेश के लिए सकारात्मक संकेत

यात्रियों की संतुष्टि में खजुराहो एयरपोर्ट देश में अव्वल, भोपाल को तीसरा स्थान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के लिए नागरिक उड्डयन क्षेत्र से अच्छी खबर आई है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अखिल भारतीय कस्टमर सैटिस्फैक्शन सर्वे में खजुराहो एयरपोर्ट ने देशभर के AAI संचालित हवाई अड्डों में पहला स्थान हासिल किया है, जबकि भोपाल का राजा भोज एयरपोर्ट को तीसरा स्थान मिला है। सर्वे में यात्रियों से एयरपोर्ट पर मिलने वाली सुविधाओं, सेवाओं, स्वच्छता, सुरक्षा और कर्मचारियों के व्यवहार सहित 31 से अधिक मानकों पर फीडबैक लिया गया।

सर्वे के पहले चरण (जनवरी-जून) में खजुराहो, भोपाल और उदयपुर एयरपोर्ट ने 5 में से 5 अंक हासिल किए। दूसरे चरण (जुलाई-दिसंबर) में खजुराहो और भोपाल ने 4.99 अंक प्राप्त कर देश के सर्वश्रेष्ठ एयरपोर्ट में अपनी जगह बरकरार रखी। इससे स्पष्ट होता है कि दोनों एयरपोर्ट यात्रियों को लगातार उच्च गुणवत्ता की सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं।

विश्व धरोहर मंदिरों के लिए प्रसिद्ध खजुराहो का एयरपोर्ट आकार में भले छोटा हो, लेकिन यात्री सुविधाओं के मामले में उसने बड़े शहरों के एयरपोर्ट को पीछे छोड़ दिया है। खजुराहो एयरपोर्ट के डायरेक्टर संतोष सिंह ने कहा कि यहां स्वच्छ टर्मिनल, कम प्रतीक्षा समय, सुव्यवस्थित सुरक्षा जांच, यात्रियों को त्वरित सहायता और शांत वातावरण को यात्रियों ने सबसे अधिक सराहा। पर्यटन केंद्र होने के कारण विदेशी और घरेलू पर्यटकों को बेहतर अनुभव देने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

राजा भोज एयरपोर्ट पहले भी ग्राहक संतुष्टि के मामले में कई बार राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान हासिल कर चुका है। एयरपोर्ट पर आधुनिक टर्मिनल, 24×7 संचालन, बेहतर साफ-सफाई, समयबद्ध सेवाएं, प्रशिक्षित स्टाफ, सुगम चेक-इन व्यवस्था और यात्रियों के लिए सुविधाजनक माहौल इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं। हाल के वर्षों में एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर सहित कई आधारभूत सुविधाओं का विस्तार भी किया गया है, जिससे इसकी सेवा गुणवत्ता और मजबूत हुई है। एयरपोर्ट अथॉरिटी का यह सर्वे देश के 58 से अधिक हवाई अड्डों पर कराया गया था। इसमें यात्रियों से सीधे फीडबैक लेकर एयरपोर्ट की सेवा गुणवत्ता का मूल्यांकन किया गया। मध्यप्रदेश के दो एयरपोर्टों का शीर्ष स्थानों पर पहुंचना पर्यटन और निवेश के लिहाज से भी सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में यात्री सुविधाओं को और बेहतर बनाने तथा नई उड़ानों के विस्तार पर भी काम जारी रहेगा।

न्यूज विंडो

सीजेआई को गाली देने वाले प्रबल प्रताप समेत दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट परिसर में हंगामा करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने आरोपी छात्र प्रबल प्रताप सिंह समेत दो छात्रों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में तिलक मार्ग थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, आरोपी प्रबल प्रताप सिंह (24 वर्षीय) और चंद्रभान (23 वर्षीय) लखनऊ विश्वविद्यालय में एलएलबी के छात्र हैं। दोनों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के सुरक्षा कर्मियों की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया।

गैंगस्टर जग्गू का करीबी 'लाला' एफबीआई की मोस्ट वांटेड सूची में

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के कुख्यात गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने उसके करीबी नीतिश कौशल उर्फ 'लाला' को अपनी मोस्ट वांटेड सूची में शामिल किया है। नीतिश कौशल पर अमेरिका के कैलिफोर्निया समेत अन्य क्षेत्रों में जग्गू भगवानपुरिया गैंग के लिए अपहरण, हत्या, जबरन वसूली, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध हथियारों की सप्लाई और अन्य संगठित अपराधों में शामिल होने के आरोप हैं।

शेख हसीना मामला: 'मौत की सजा पर पुनर्विचार हो सकता है'

ढाका। बांग्लादेश ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के ढाका लौटने के प्लान का स्वागत किया है और कहा है कि उन्हें मौत की सजा के दोषी के तौर पर न्याय का सामना करना होगा। 78 साल की शेख हसीना अगस्त 2024 में सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद सरकार गिरने पर ढाका से आकर भारत में रह रही हैं।

आरसीबी भगदड़ मामले में पूर्व कमिश्नर समेत 3 को क्लीन चिट

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में स्थित चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर बीते साल मची भगदड़ मामले में कर्नाटक सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए पूर्व सिटी पुलिस कमिश्नर बी. दयानंद समेत तीन आईपीएस अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच खत्म कर दी और उन्हें क्लीन चिट दे दी है। 4 जून 2025 को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी और 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे।

आज का कार्टून

विकराल होती जंग... समंदर में भारत से जुड़े 11 जहाज और 148 नाविक फंसे

अमेरिकी हमलों के बाद ईरान का ऐलान होर्मुज से अब एक बूंद तेल नहीं निकलेगा

तेहरान /वाशिंगटन डीसी, एजेंसी

ईरान के साथ जंग के बीच अमेरिका ने एक बार फिर ईरान के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए उसके बंदरगाहों की समुद्री नाकेबंदी दोबारा लागू कर दी है। दूसरी ओर अमेरिका ने लगातार चौथे दिन ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हमले किए। इसके जवाब में क्षेत्र के कई हिस्सों में हमलों और धमाकों की खबरें सामने आईं। ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स ने एलान कर दिया है कि है कि जब तक अमेरिका आक्रामक कार्रवाई बंद नहीं करता, तब तक होर्मुज स्ट्रेट से तेल और गैस की एक भी बूंद बाहर नहीं जाने दी जाएगी। ईरान के सरकारी मीडिया ने दावा किया है कि उसने जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया है।

इस बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक टीवी इंटरव्यू में ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि तेहरान जल्द बातचीत की मेज पर वापस नहीं आता, तो अगले सप्ताह अमेरिका ईरान के पुलों और बिजली संयंत्रों पर हमला कर सकता है। अगर समझौता नहीं किया, तो वहां कुछ नहीं बचेगा।' उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर जमीनी सैन्य अभियान भी चलाया जा सकता है, हालांकि इसके लिए सहयोगी देशों की मदद ली जा सकती है। ट्रम्प पहले भी इस तरह की चेतावनियां दे चुके हैं और इसे बातचीत के दौरान दबाव बनाने की रणनीति माना जाता है। ट्रम्प ने अपने पहले किए गए एक फैसले में बदलाव करते हुए यह भी कहा कि अब होर्मुज से गुजरने वाले मालवाहक जहाजों पर 20 प्रतिशत शुल्क नहीं लगाया जाएगा। इस फैसले को क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने और व्यापारिक तनाव कम करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

ट्रम्प बोले - अगले हफ्ते ईरान के पुलों और पॉवर प्लांट पर हमला

सात घंटे तक चला ईरान पर हमला

अमेरिकी सेना की ओर से बताया गया है कि ईरान के खिलाफ सात घंटे तक चले अभियान में अमेरिकी लड़ाकू विमानों, ड्रोन और नौसैनिक जहाजों ने सटीक हथियारों का इस्तेमाल करते हुए ईरान के मिसाइल और ड्रोन ठिकानों, नौसैनिक क्षमताओं तथा तटीय रक्षा प्रणालियों पर हमला किया। इसका उद्देश्य ईरान की वाणिज्यिक जहाजरानी और नागरिक जहाजों के चालक दल को खतरे में डालने की क्षमता को और कमजोर करना था। सेंटकॉम की ओर से कहा गया है कि अमेरिकी बल सतर्क हैं और पूरी तरह युद्ध के लिए तैयार हैं।

उधर... सऊदी और हूती के टकराव का नया मोर्चा खुला

मिडिल ईस्ट की जंग में एक नया मोर्चा तब खुल गया जब सऊदी समर्थित यमन की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार ने राजधानी सना के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे पर हवाई हमला किया। सरकार का दावा है कि यह कार्रवाई ईरान से लौट रहे हूती प्रतिनिधिमंडल के विमान को उतरने से रोकने और देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए की गई। हूती विद्रोहियों ने इस हमले के लिए सीधे सऊदी अरब को जिम्मेदार ठहराया है । हूती सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि सना एयरपोर्ट पर हमला यमन पर 'आक्रामकता' है और इसका जवाब दिया जाएगा। इसके कुछ ही घंटों बाद हूतियों ने सऊदी अरब के अबहा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन दागे। संयुक्त राष्ट्र और कई देशों ने दोनों पक्षों से संयम बरतने तथा बातचीत के जरिए तनाव कम करने की अपील की है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह संघर्ष आगे बढ़ा तो यमन फिर से पूर्ण युद्ध की स्थिति में पहुंच सकता है और इसका असर पूरे पश्चिम एशिया की सुरक्षा तथा लाल सागर के समुद्री व्यापार पर पड़ सकता है।

नम हवाओं का असर

यूपी और बिहार में झमाझम, एमपी-राजस्थान में इंतजार

नई दिल्ली/भोपाल। मानसून देशभर में एक जैसा नहीं बरस रहा है। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में तेज बारिश हो रही है। इसका कारण मानसूनी ट्रफ और बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाएं पूर्वी भारत की ओर झुकी हुई हैं। जब ये हवाएं ट्रफ और कम दबाव वाले क्षेत्रों से मिलती हैं तो भारी बारिश होती है।

मौसम विभाग ने बताया कि अगले कुछ दिन राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में मानसून कमजोर होने से बारिश की संभावना कम है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी वाली हवाएं इन इलाकों तक पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पा रही हैं, इसलिए बारिश कम हो रही है। कुछ दिनों बाद नया लो-प्रेशर सिस्टम बनने से इन राज्यों में भी अच्छी बारिश शुरू हो सकती है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: दो आरोपी 14 घंटे की रिमांड पर

आरोपियों से पूछताछ कर पुलिस खंगालेगी पैसे चुराने और छिपाने का पूरा नेटवर्क

अयोध्या, एजेंसी

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी रमाशंकर मिश्रा और रिटायर्ड बैंककर्मी सुभाष श्रीवास्तव को पुलिस ने 14 घंटे की रिमांड पर ले लिया है। आज सुबह 8 बजे पुलिस फैजाबाद जेल पहुंची और दोनों को पुलिस लाइन लेकर गई। पूछताछ के बाद आरोपियों को उनके घर भी ले जाया जा सकता है।

पुलिस पता लगाएगी कि आरोपियों ने चढ़ावे के पैसे कैसे चुराए, उसे कहां छिपाया? रमाशंकर के पास चढ़ावे को काउंटिंग रूम तक पहुंचाने की जिम्मेदारी थी। पुलिस को उसके बैंक खाते में 7.32 लाख रुपए मिले हैं। सुभाष चढ़ावा गिनने वालों की निगरानी करते थे। एसबीआई के रिटायर कर्मचारी हैं। मंगलवार को पुलिस ने रमाशंकर और सुभाष श्रीवास्तव को कोर्ट में पेश कर 7 दिन की रिमांड मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने 14 घंटे की रिमांड मंजूर की। इससे पहले, पुलिस आरोपी अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा और करुणेश पांडेय को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर चुकी है।

अर्जेंटीना v/s इंग्लैंड: मेसी के मैजिक और हैरी के हॉरर शो पर नजर

फीफा वर्ल्डकप का दूसरा सेमीफाइनल आज

अटलांटा। फुटबॉल वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना और इंग्लैंड 24 साल बाद आमने-सामने होंगे। दोनों के बीच दूसरा सेमीफाइनल आज देर रात अटलांटा स्टेडियम में भारतीय समय के अनुसार 12:30 बजे से खेला जाएगा। इस मुकाबले में सबकी नजरें लियोनेल मेसी और हैरी केन पर रहेंगी। मेसी इस वर्ल्ड कप में 8 गोल कर गोल्डन बूट की रेस में दूसरे स्थान पर हैं। वहीं इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन अब तक 6 गोल कर चुके हैं। - पेज 7 भी देखें

सेमीफाइनल में फ्रांस की हार के बाद बवाल, राजधानी पेरिस में भड़के दंगे, कई घायल

फीफा वर्ल्ड कप में फ्रांस को टेक्सास के एटी एंड टी स्टेडियम में स्पेन के हाथों सेमीफाइनल में 0-2 की शिकस्त सहनी पड़ी। फ्रांस की हार के बाद राजधानी पेरिस में दंगा भड़क गया, जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैले। कई क्षेत्रों में आगजनी फैली। फ्रांस के कप्तान कायलिन एमबापे ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए अपने देशवासियों से माफी मांगी।

मेट्रो एंकर बेटे को पढ़ता देख सालों बाद जागी फिर पढ़ने की ललक, प्रेरणा बनीं 45 साल की जिगीषा

यादगार पल... जब मां-बेटे ने एक साथ ली आईआईटी मद्रास से डिग्री

चेन्नई, एजेंसी

आईआईटी मद्रास के हालिया दीक्षांत समारोह में, सबसे ज़ोरदार तालियां किसी गोल्ड मेडलिस्ट के लिए नहीं बजीं। ये तालियां एक मां और बेटे के लिए थीं, जो अपनी डिग्री लेने के लिए एक साथ मंच पर आए थे। 45 साल की जिगीषा टेलर और उनके 21 साल के बेटे आदित्य कपाड़िया ने IIT मद्रास के ऑनलाइन डेटा साइंस और एप्लीकेशन प्रोग्राम से ग्रेजुएशन किया। आदित्य को बैचलर ऑफ साइंस (BS) की डिग्री मिली, जबकि जिगीषा ने अपना डिप्लोमा हासिल किया। दीक्षांत समारोह से पहले हुए डिनर के दौरान उनकी कहानी सुनकर एक क्लासमेट ने गुजारिश की कि उन्हें एक साथ मंच पर बुलाया जाए, जिससे यह समारोह का सबसे यादगार पल बन गया।

जिगीषा ने 2019 में पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण नौकरी छोड़ने से पहले गुजरात के भरूच में

एक इंजीनियरिंग कॉलेज में इलेक्ट्रॉनिक्स पढ़ाया था। तीन साल बाद, उनके बेटे ने ही उन्हें पढ़ाई की दुनिया में लौटने के लिए प्रोत्साहित किया। आदित्य ने कोविड-19 महामारी के दौरान 2021 में IIT मद्रास के ऑनलाइन BS इन डेटा साइंस और एप्लीकेशन प्रोग्राम में एडमिशन लिया था। उन्हें घर से ही ऑनलाइन क्लास लेते देख जिगीषा में भी उत्सुकता जगी।

कई सालों बाद फिर से पढ़ाई शुरू करना आसान नहीं था। जिगीषा ने घर की ज़िम्मेदारियों के साथ-साथ असाइनमेंट, परीक्षा और ऑनलाइन क्लास को भी संभाला। वह दिन शुरू करने से पहले सुबह लगभग 4.30 बजे से 7 बजे तक पढ़ाई करती। उसके बाद घर का नाश्ता- खाना बनाने से लेकर जल्दी-जल्दी सारे काम निपटातीं। उसके बाद दोपहर को फिर अपनी किताबें लेकर पढ़ने बैठ जातीं। इस दौरान उन्हें आराम करने का बिल्कुल भी मौका नहीं मिलता था।

उन्होंने IIT मद्रास के लाइव डाउट-क्लियरिंग सेशन में भी हिस्सा लिया और WhatsApp स्टडी ग्रुप के ज़रिए क्लासमेट्स के साथ जुड़ी रहीं। हर कोई यह नहीं समझ पा रहा था कि उन्होंने दोबारा पढ़ाई करने का फैसला क्यों किया।

बेटे के साथ कॉम्पिटिशन

उनके पति, जो खुद एक कॉलेज प्रोफेसर हैं, इस पूरे सफर में उनके सबसे बड़े सपोर्टर रहे। वह कहती हैं कि एक दौर ऐसा भी आया जब मुझे दबाव महसूस होने लगा। अगर मैं फेल हो जाती या कोर्स छोड़ देती, तो मेरे बच्चों पर इसका क्या असर पड़ता? लेकिन मेरे पति मुझे मोटिवेट करते थे और मेरा साथ देते थे। साथ में पढ़ाई करने से जल्द ही एक हेल्दी कॉम्पिटिशन शुरू हो गया। आदित्य ने बताया कि कॉम्पिटिशन की भावना थी, जैसे कौन् या स ग्रेड लाएगा। जब भी उनमें से कोई बेहतर प्रदर्शन करता, तो दूसरा और ज़्यादा मेहनत करने के लिए मोटिवेट होता। आदित्य अक्सर मुश्किल विषयों, वाइवा परीक्षा और ऑनलाइन प्रॉक्टर्ड टेस्ट की तैयारी में अपनी मां की मदद करता था। धीरे-धीरे उनका रिश्ता माता-पिता और बच्चे के रिश्ते से आगे बढ़कर स्टडी पार्टनर का बन गया।

हादसों का खतरा: लालघाटी-एयरपोर्ट रोड ओवरब्रिज की हालत जर्जर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल के सबसे व्यस्त और वीआईपी मार्गों में शामिल लालघाटी एयरपोर्ट रोड ओवरब्रिज की हालत दिनों-दिन खराब होती जा रही है। ओवरब्रिज के दोनों किनारों (साइडों) का हिस्सा जगह-जगह से जर्जर होकर टूटने लगा है, जिससे यहां से गुजरने वाले हजारों वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई दिनों से पुल की यह स्थिति बनी हुई है, लेकिन संबंधित विभाग और प्रशासन ने अब तक इसकी मरम्मत की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

यह ओवरब्रिज प्रतिदिन एयरपोर्ट आने-जाने वाले यात्रियों, वीआईपी मूवमेंट और शहर के हजारों नागरिकों द्वारा उपयोग किया जाता है। इसके बावजूद पुल के किनारों पर टूट-फूट और क्षतिग्रस्त हिस्से लगातार बढ़ते जा रहे हैं। यदि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो बरसात के मौसम में यह समस्या और गंभीर हो सकती है तथा किसी बड़े हादसे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। लोगों का कहना है कि पुल की नियमित तकनीकी जांच और आवश्यक मरम्मत तत्काल कराई जानी चाहिए ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

उल्लेखनीय है कि लालघाटी-एयरपोर्ट मार्ग शहर के प्रमुख संपर्क मार्गों में शामिल है और इसका निर्माण यातायात को सुगम बनाने के उद्देश्य से किया गया था। पूर्व में भी इस परियोजना से जुड़े ढांचे की स्थिति को लेकर सवाल उठ चुके हैं। स्थानीय लोगों की मांग है कि प्रशासन और संबंधित एजेंसियां तत्काल ओवरब्रिज का तकनीकी निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत कराएं तथा सुरक्षा के लिए आवश्यक बैरिकेडिंग और चेतावनी संकेत लगाए जाएं, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे को रोका जा सके।

हद हो गई: जहां रखे थे परीक्षा के पेपर, वहां सीसीटीवी कैमरा ही नहीं!

RGPV पेपर चोरी कांड: सुरक्षा में बड़ी चूक अब अंदर के लोगों पर ही गहराया शक

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) के यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट (यूटीडी) में बीटेक चतुर्थ सेमेस्टर के नौ सीलबंद प्रश्नपत्रों के रहस्यमयी ढंग से गायब होने का मामला अब एक बड़ी प्रशासनिक और सुरक्षा विफलता का रूप ले चुका है। घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी जांच एजेंसियां खाली हाथ हैं। पुलिस और विश्वविद्यालय की आंतरिक जांच समिति समानांतर रूप से दौड़भाग तो कर रही हैं, लेकिन न तो चोर का कोई सुराग मिला है और न ही प्रश्नपत्रों का। बाहरी घुसपैठ का कोई ठोस सबूत न मिलने के कारण अब पूरी जांच की सूई विश्वविद्यालय के ही 'अपनों' की तरफ घूम गई है।

जांच की सुई अंदरूनी मिलीभगत पर ही क्यों टिकी है?

इस हाई-प्रोफाइल मामले में बाहरी चोरों से ज्यादा 'घर के भेदियों' पर शक गहराने के पीछे कई मजबूत कारण हैं। पहला कारण यह है कि मुख्य रास्तों पर लगे सीसीटीवी फुटेज में किसी भी बाहरी व्यक्ति की संदिग्ध गतिविधि दर्ज नहीं हुई है। दूसरा, केवल बीटेक चतुर्थ सेमेस्टर के ही विशिष्ट प्रश्नपत्रों को निशाना बनाना यह दर्शाता है कि चोर को लॉकर रूम और वहां रखे दस्तावेजों की सटीक जानकारी थी।

कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों के कॉल रिकॉर्ड्स खंगालने में जुटी पुलिस

जांच में जो सबसे चौंकाने वाला खुलासा हुआ है, वह यह है कि जिस बेहद संवेदनशील और गोपनीय कक्ष में परीक्षा के प्रश्नपत्र रखे गए थे, वहां सुरक्षा का सबसे बुनियादी साधन यानी सीसीटीवी कैमरा ही गायब था। ऐसे में इस बात का कोई डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है कि घटना के समय इस कक्ष में किसने प्रवेश किया। हालांकि, पुलिस को अंदेशा है कि विश्वविद्यालय के पीछे की टूटी दीवार का फायदा उठाकर कोई अंदर आ सकता है, लेकिन बिना पुख्ता सबूत के इस थ्योरी पर विश्वास करना मुश्किल है। फिलहाल पुलिस परीक्षा शाखा के कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों के कॉल रिकॉर्ड्स खंगालने में जुटी है।

पूर्व परीक्षा प्रभारी का आरोप : 'मुझे हटाने के लिए रची साजिश'

तत्कालीन परीक्षा प्रभारी डॉ. अर्चना तिवारी ने इस पूरे मामले में सीधे तौर पर विश्वविद्यालय प्रबंधन की सुरक्षा व्यवस्था को कठघरे में खड़ा किया है। उनका स्पष्ट आरोप है कि यह कोई साधारण चोरी नहीं, बल्कि उन्हें पद से हटाने के लिए रची गई एक सोची-समझी साजिश है।

डॉ. तिवारी के अनुसार, उनके पास विश्वविद्यालय के कई महत्वपूर्ण विभागों का प्रभार था, जिससे संस्थान के भीतर का एक धड़ा काफी असंतुष्ट था। इसी नाराजगी के चलते उन्हें परीक्षा नियंत्रक के पद से बेदखल करने के लिए इस गंभीर घटना को अंजाम दिया गया। अपनी बेगुनाही साबित करने और सच को सामने लाने के लिए उन्होंने पुलिस को एक सूची भी सौंपी है, जिसमें घटना के समय संदिग्धों की लोकेशन और कॉल डिटेल्स की तत्काल जांच करने की मांग की गई है। इस बयान के बाद अब विश्वविद्यालय प्रशासन के भीतर भी हड़कंप मचा हुआ है।

एनएसयूआई पदाधिकारी पर दुष्कर्म का आरोप

भोपाल। राजधानी में में छात्र संगठन एनएसयूआई के एक पदाधिकारी पर दुष्कर्म का गंभीर मामला सामने आया है। पिपलानी थाना क्षेत्र में एनएसयूआई से जुड़ी एक 23 वर्षीय छात्रा की शिकायत पर संगठन के एक पदाधिकारी के खिलाफ मंगलवार को दुष्कर्म, मारपीट, धमकी और एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। युवती का आरोप है कि आरोपी उसे बैठक के बहाने अपने फ्लैट पर ले गया, जहां उसके साथ मारपीट करने के बाद जबरन शारीरिक संबंध बनाए और घटना किसी को बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। शिकायत में बताया रात अधिक होने के कारण युवती हास्टल नहीं लौट सकी और फ्लैट पर ही रुक गई। आरोप है कि रात करीब 10:30 बजे आरोपी ने उसके साथ बदतमीजी की और विरोध करने पर मारपीट कर उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है। पीड़िता ने एक वीडियो जारी कर आरोप लगाया है कि उसे शिकायत करने से रोकने के लिए संगठन के लोगों द्वारा घेराबंदी कर भारी दबाव बनाया जा रहा था।

राजधानी में रात तक चला अतिक्रमण विरोधी अभियान: खुले में बिक रहा मीट किया नष्ट, भारी सामान जब्त

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल के पुराने शहर में सड़क और फुटपाथों को कब्जामुक्त कराने के लिए नगर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने एक बड़ी और सख्त कार्रवाई की है। शाम से लेकर देर रात तक चले इस सघन अभियान के दौरान न केवल सड़कों को घेरे खड़े ठेले-गुमटियों को हटाया गया, बल्कि खुले में नियमों की धज्जियां उड़ाकर बेचे जा रहे मांस (मीट) को भी मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। अतिक्रमण विरोधी मुहिम के दौरान पुलिस बल की भारी मौजूदगी के कारण विरोध करने वाले दुकानदारों की एक न चली।

जहांगीराबाद से बरखेड़ी फाटक तक 4 घंटे चला एक्शन

नगर निगम के सायंकालीन अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने शाम 6 बजे जहांगीराबाद इलाके से अपनी कार्रवाई की शुरुआत की, जो रात 10 बजे तक लगातार जारी रही।

इन इलाकों में हुई कार्रवाई: मुर्गी बाजार, चिकलोद रोड, एस्टल कॉलेज चौराहा, बरखेड़ी चौराहा और बरखेड़ी फाटक।

खुले में बिक रहे मीट पर डाला फिनाइल: कार्रवाई का नेतृत्व कर रहे अतिक्रमण अधिकारी नासिर खान ने बताया कि अभियान के दौरान कई जगहों पर नियमों को ताक पर रखकर खुले में चिकन और मटन बेचा जा रहा था। नियमानुसार, मीट को पूरी तरह से कांच के केबिन या ढके हुए काउंटर के अंदर ही रखा जाना चाहिए ताकि वह धूल-मिट्टी और प्रदूषण से बचा रहे। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए टीम ने खुले में रखे मीट पर फिनाइल डालकर उसे मौके पर ही पूरी तरह नष्ट कर दिया।

सामान किया जब्त: सड़क किनारे बेतरतीब खड़े ठेले, सब्जी विक्रेताओं का सामान, दुकानों के बाहर अवैध रूप से लगाए गए बोर्ड, लाइटें, कैरेट, टेबल-कुर्सियां, काउंटर और व्यावसायिक उपयोग में लिए जा रहे घरेलू गैस सिलेंडर भी टीम ने जब्त किए।

मध्यप्रदेश के सरकारी अस्पतालों में अब ख़त्म होगा 'कागजी खेल'

जल्द शुरू होगी 'ई-हॉस्पिटल' सेवा, मरीजों की बनेगी आभा आईडी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह डिजिटल और हाईटेक बनाने की तैयारी अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा अक्टूबर-नवंबर 2026 तक पूरे प्रदेश में महत्वाकांक्षी 'ई-हॉस्पिटल योजना' लागू करने का लक्ष्य रखा है। नई व्यवस्था के शुरू होते ही प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों से फाइलों, रजिस्टरों और पर्चियों का झंझट हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा मरीजों का पूरा मेडिकल रिकॉर्ड एक क्लिक पर ऑनलाइन उपलब्ध होगा।

नए सिस्टम की जरूरत क्यों?

वर्तमान में मध्य प्रदेश के अधिकांश जिला और सिविल अस्पतालों में केवल ओपीडी का रजिस्ट्रेशन ही ऑनलाइन हो पाता है। इसके बाद की प्रक्रिया जैसे मरीज को भर्ती करना बिलिंग, ऑपरेशन थिएटर और फार्मेसी (दवा वितरण) का काम आज भी पुराने ढर्रे पर कागज-कलम के जरिए ही किया जा रहा है।

पुरानी योजना की नाकामी

पूर्व में यह योजना राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के साथ शुरू की गई थी, लेकिन अत्यधिक लोड के कारण एनआईसी का सॉफ्टवेयर क्रैश हो गया और प्रोजेक्ट अटक गया। इसके बाद कई मेडिकल कॉलेजों ने अपने स्तर पर अलग सॉफ्टवेयर अपना लिए थे।तकनीकी खामियों को दूर करते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अब सेडेक सॉफ्टवेयर के जरिए नए सिरे से क्लाउड-आधारित सिस्टम तैयार किया है।

एक 'आभा आईडी' में दर्ज होगी पूरी मेडिकल हिस्ट्री

इस नए डिजिटल सिस्टम के तहत हर मरीज की एक 'आभा आईडी' बनाई जाएगी। एक बार यह आईडी जनरेट होने के बाद मरीज के इलाज, जांच रिपोर्ट और दवाओं का पूरा डेटा सुरक्षित रूप से डिजिटल लॉक हो जाएगा। डॉक्टर देश या प्रदेश में कहीं से भी मरीज की अनुमति से उसकी पूरी मेडिकल हिस्ट्री ऑनलाइन देख सकेंगे।

भोपाल में ब्रिक्स समिट 5 अगस्त से, तैयारी जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल अगले महीने एक बड़े वैश्विक मंच की गवाह बनने जा रही है। आगामी 5 से 8 अगस्त तक यहाँ तीसरी ब्रिक्स कल्चर वर्किंग ग्रुप ब्रिक्स सांस्कृतिक महोत्सव और ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक का भव्य आयोजन होने जा रहा है। चार दिनों तक चलने वाले इस अंतरराष्ट्रीय समागम में ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधि रचनात्मक उद्योगों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका, कलाकारों के कॉपीराइट और ऐतिहासिक सांस्कृतिक धरोहरों की वापसी जैसे बेहद संवेदनशील व अहम वैश्विक मुद्दों पर साझा रणनीति तैयार करेंगे। इस प्रतिष्ठित आयोजन की संवेदनशीलता को देखते हुए भोपाल कलेक्टर ने प्रशासनिक तैयारियों की कमान संभाल ली है।

क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर युवक से 73 हजार रुपए की ठगी

पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर धोखाधड़ी का मामला किया दर्ज

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के बैरागढ़ इलाके में सक्रिय शातिर साइबर ठगों ने क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर एक युवक को अपना शिकार बना लिया। बैंक अधिकारी बनकर फोन करने वाले जालसाज ने बड़ी चालाकी से पीड़ित के बैंक खाते की गोपनीय जानकारी हासिल की और फिर ओटीपी के जरिए खाते से 73,000 पार कर दिए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर अज्ञात जालसाज के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ऐसे बुना ठगी का जाल

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बैरागढ़ निवासी 34 वर्षीय कमलेश चंदानी के पास बीती 10 जुलाई को एक अज्ञात नंबर से फोन आया था। कॉल करने वाले ने खुद को बैंक का कर्मचारी बताया और कमलेश को झांसा दिया कि उनके क्रेडिट कार्ड की लिमिट आसानी से बढ़ाई जा सकती है। बातों-बातों में आरोपी ने कमलेश को अपने विश्वास में लिया और 'वेरिफिकेशन' के नाम पर उनके खाते से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां जुटा लीं। इसी दौरान कमलेश के मोबाइल पर एक ओटीपी आया।

ओटीपी शेयर करते ही खाते से साफ हो गई रकम

आरोपी ने इस ओटीपी को प्रक्रिया का हिस्सा बताते हुए कमलेश से पूछ लिया। जैसे ही कमलेश ने ओटीपी साझा किया, उनके खाते से करीब 73 हजार रुपये कटने का मैसेज आ गया। झटका लगते ही पीड़ित ने तुरंत उस नंबर पर वापस संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी का मोबाइल स्विच ऑफ हो चुका था। ठगी का अहसास होते ही पीड़ित ने तुरंत साइबर हेल्पलाइन पर इसकी शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने केस दर्ज कर तकनीकी जांच शुरू कर दी है।

मेट्रो एंकर

कई शहरों में पारा 35 डिग्री के पार, अगले 5 दिनों तक प्रदेश में भारी बारिश की उम्मीद बेहद कम

एमपी में बारिश पर ब्रेक: जुलाई में मार्च-अप्रैल जैसी तपन

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में झमाझम बारिश का दौर थमते ही मौसम के मिजाज में अचानक बड़ा बदलाव आ गया है। तेज बारिश न होने के कारण दिन के तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है, जिससे जुलाई के महीने में ही लोगों को मार्च-अप्रैल जैसी तीखी गर्मी का अहसास होने लगा है। कई शहरों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आंकड़े को भी पार कर गया है। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो अगले 5 दिनों तक प्रदेश में भारी बारिश की उम्मीद बेहद कम है, जिससे आने वाले दिनों में पारा और अधिक चढ़ सकता है।

पश्चिमी हिस्से की स्थिति: भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम और ग्वालियर-चंबल (पश्चिमी क्षेत्र) में बारिश का आंकड़ा औसत से 6% पीछे चल रहा है।

आज कहां कैसा रहेगा मौसम: यहां हल्की बूंदाबांदी के आसार (21 जिले): इंदौर, उज्जैन, रतलाम, सिवनी, मंडला, बालाघाट, डिंडौरी, अनूपपुर, उमरिया, झाबुआ, धार, आलीराजपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, शहडोल, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली।

यहां सताएगी गर्मी व उमस (35 जिले): भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, शाजापुर, देवास, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी।

सामान्य से पिछड़ रहा है मानसून का कोटा

मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार, पिछले 6 दिनों से प्रदेश के किसी भी हिस्से में भारी या अति भारी बारिश दर्ज नहीं की गई है। दिन के समय कुछ शहरों में बादलों की आवाजाही जरूर है, लेकिन वे बिना बरसे ही गुजर रहे हैं। इस वजह से प्रदेश के आधे से ज्यादा जिलों में अब तक सामान्य से कम बारिश हुई है।

औसत बारिश का गणित: प्रदेश में अब तक 241.8 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य तौर पर होने वाली 260 मिमी बारिश से करीब 7% कम है।

पूर्वी हिस्से में ज्यादा कमी: जबलपुर, सागर, शहडोल और रीवा संभाग (पूर्वी क्षेत्र) में औसत से 21% कम पानी गिरा है।

जुलाई महीने का बारिश ट्रेंड

कोटे का गणित: जुलाई के महीने में पूरे मानसूनी सीजन की लगभग 40% (यानी करीब एक तिहाई) बारिश दर्ज की जाती है।

जबलपुर सबसे आगे: बड़े शहरों की बात करें तो जुलाई में जबलपुर में सबसे अधिक (17 इंच से ज्यादा) बारिश का ट्रेंड है। वहीं राजधानी भोपाल में पूरे सीजन की 39 इंच बारिश में से अकेले जुलाई में ही 14 इंच पानी गिरता है। प्रदेश में देवास सबसे ज्यादा बारिश वाला जिला है। यहां 102 प्रतिशत ज्यादा पानी गिर चुका है। मौसम विभाग के आंकड़ों की माने तो यहां अब तक 18 इंच बारिश हो चुकी है। इंदौर-सीहोर में 14 इंच बरसात हुई है। हरदा में 15 इंच पानी गिर चुका है। भोपाल में 13.1 इंच पानी गिरा है।

अवैध शराब पर एक्शन: आबकारी विभाग का 20 ठिकानों पर छापा

भोपाल। शहर में अवैध रूप से शराब बेचने और नियम विरुद्ध अहाते चलाने वालों के खिलाफ आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। देर रात तक आबकारी विभाग की टीमों ने 20 से अधिक संवेदनशील ठिकानों पर ताबड़तोड़ दबिश दी। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस और आबकारी की टीम ने अवैध शराब के एक पुराने मामले में लंबे समय से फरार चल रहे दो आरोपियों को भी धर दबोचा है। आबकारी विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक मुखबिर की सूचना पर आबकारी विभाग की टीम ने परवलिया थाना क्षेत्र के ग्राम चंदुखेड़ी में 'हर्ष मीणा जूस सेंटर' के पीछे घेराबंदी कर दबिश दी। इस दौरान टीम ने काफी समय से फरार चल रहे आरोपी अजमल मीणा और गुरवेश सिंह को गिरफ्तार किया है।

आंचलिक विज्ञान केंद्र में अंतरिक्ष अन्वेषण दीर्घा का अवलोकन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आंचलिक विज्ञान केंद्र में स्थापित अंतरिक्ष अन्वेषण दीर्घा का अवलोकन कर विज्ञान, नवाचार और अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में मध्यप्रदेश की नई संभावनाओं को बल प्रदान किया। आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक उपलब्धियों से सुसज्जित यह दीर्घा युवाओं और विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा और नवाचार की भावना को प्रेरित करेगी। यह पहल भारत के अंतरिक्ष गौरव को जन-जन तक पहुँचाने और नई पीढ़ी को विज्ञान एवं अनुसंधान से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नशे के सौदागरों पर होगा निर्णायक प्रहार: मुख्यमंत्री ने दिलाई नशा मुक्त मध्यप्रदेश की शपथ

जीरो टॉलरेंस के साथ मैदान में उतरी सरकार मोहन बोले- कार्रवाई ऐसी हो जो बने मिसाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश सरकार ने नशे के खिलाफ अपनी मुहिम को और आक्रामक बनाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्पष्ट कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों को बर्बादी की ओर ले जाता है, इसलिए इसके अवैध कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्रवाई ऐसी हो, जो पूरे प्रदेश के लिए मिसाल बने और नशे के नेटवर्क को जड़ से समाप्त किया जा सके। रवीन्द्र भवन में नशे से दूरी है जरूरी 2.0% अभियान के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों को नशा मुक्त मध्यप्रदेश बनाने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि सामाजिक जागरूकता और कानून की सख्ती, दोनों के समन्वय से ही इस चुनौती का प्रभावी समाधान संभव है।

19 धार्मिक क्षेत्रों में शराब और नशे पर प्रतिबंध- मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने नशा मुक्त समाज के लक्ष्य को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश के 19 प्रमुख धार्मिक स्थलों के आसपास शराब और अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री पर प्रतिबंध लागू किया है। उन्होंने बताया कि धार्मिक और सामाजिक संगठनों की भागीदारी से यह अभियान जनआंदोलन का रूप ले रहा है। सरकार चाहती है कि समाज का प्रत्येक वर्ग नशा मुक्त वातावरण बनाने में अपनी जिम्मेदारी निभाए।

नक्सलवाद पर भी सरकार का दावा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में कानून-व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने तय समय से पहले नक्सलवाद पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब लाल सलाम को आखिरी सलाम कर दिया गया है। उन्होंने पुलिस विभाग की सराहना करते हुए कहा कि सरकार पदोन्नति सहित हर सकारात्मक कार्य में पुलिस बल के साथ मजबूती से खड़ी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस कार्रवाई तक सीमित नहीं रह सकती। इसके लिए युवाओं को समय रहते जागरूक करना जरूरी है। इसी उद्देश्य से स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम, हेल्पलाइन, काउंसलिंग तथा पुनर्वास सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से नशा मुक्ति, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े चार-क्रेडिट पाठ्यक्रम भी शुरू किए गए हैं।

एक पखवाड़े तक चलेगा विशेष अभियान

विशेष पुलिस महानिदेशक पंकज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आज से 30 जुलाई तक पूरे प्रदेश में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान एनसीसी, एनएसएस, खेल संगठन, व्यापारिक संस्थाएं, नागरिक समितियां और सामाजिक संगठन लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करेंगे। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष चलाए गए अभियान को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में स्थान मिला था और ब्रिटेन की संसद में भी मध्यप्रदेश पुलिस की इस पहल की सराहना की गई थी। विशेष पुलिस महानिदेशक ने बताया कि दुनिया में 33 करोड़ से अधिक लोग नशे की लत से प्रभावित हैं। इनमें 25 करोड़ से अधिक लोग गांजा और छह करोड़ से अधिक लोग अफीम से बने मादक पदार्थों का सेवन करते हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती ड्रग तस्करी को देखते हुए मध्यप्रदेश पुलिस एमडी ड्रग्स और अन्य मादक पदार्थों के कारोबार में शामिल संगठित गिरोहों के खिलाफ लगातार कठोर कार्रवाई कर रही है।

विभागों के समन्वय से बनेगा जनआंदोलन

मुख्यमंत्री ने अभियान को सफल बनाने में विभिन्न विभागों के सहयोग की सराहना की। सामाजिक न्याय विभाग ने प्रचार सामग्री तैयार की है, जबकि पुलिस विभाग युवाओं के बीच सामुदायिक सुरक्षा कार्यक्रम चला रहा है। स्कूल शिक्षा और उच्च शिक्षा विभाग विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराने के लिए प्रशिक्षण, संवाद और विशेष पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नशा मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के लिए मध्यप्रदेश पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि समाज की भागीदारी से यह अभियान प्रदेश में व्यापक जनजागरण का माध्यम बनेगा।

एसआईटी की चार्जशीट में खुलासा-

रिजॉर्ट मुलाकात से रात के फैसले तक, संतोष वर्मा के प्रमोशन के लिए तोड़े गए सारे प्रमोशन नियम

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर के बहुचर्चित आईएएस संतोष वर्मा और तत्कालीन जिला न्यायाधीश विजेंद्र सिंह रावत केस में एक बार फिर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने विजेंद्र सिंह रावत को विभागीय कार्रवाई से राहत देने से इनकार करते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी है।

कोर्ट के इस फैसले के बाद विशेष जांच दल (एसआईटी) की चार्जशीट में दर्ज कई चौंकाने वाले तथ्य दोबारा सुर्खियों में आ गए हैं। आइए आसान भाषा में समझते हैं कि एसआईटी की चार्जशीट में दोनों के बीच के घटनाक्रम को लेकर क्या बड़े दावे किए गए हैं।

140 बार फोन पर बात और रिजॉर्ट में मुलाकात- एसआईटी की जांच के अनुसार, तत्कालीन जिला न्यायाधीश विजेंद्र सिंह रावत और आईएएस संतोष वर्मा के बीच मोबाइल पर करीब 140 बार बातचीत हुई थी। जांच एजेंसी का दावा है कि इन संपर्कों के बाद ही पूरे मामले में तेजी आई। चार्जशीट के मुताबिक, 6 अक्टूबर 2020 को दोनों के बीच फोन पर बात हुई और फिर दोनों ने इंदौर के ग्रैंड माचल रिजॉर्ट में मुलाकात की। इसी दिन न्यायाधीश ने कोर्ट से अवकाश लेने का आवेदन भी दिया था।

रात 9 बजे सौंपी गई फैसले की कॉपी- चार्जशीट में दर्ज टाइम लाइन के अनुसार, आईएएस संतोष वर्मा की विभागीय पदोन्नति को हरी झंडी दिलाने के लिए कानूनी प्रक्रियाओं को कथित तौर पर असाधारण गति से आगे बढ़ाया गया। 7 अक्टूबर 2020 की शाम करीब 5:15 बजे कोर्ट की नकल शाखा से आदेश की दो प्रमाणित कॉपी निकाली गईं। उसी रात 9 बजे संतोष वर्मा को उनके रेजिडेंसी क्षेत्र स्थित निवास के पास फैसले की कॉपी सौंप दी गई। 8 अक्टूबर 2020 की सुबह संतोष वर्मा आदेश की कॉपियां लेकर सामान्य प्रशासन विभाग , भोपाल पहुंच गए और अपना आवेदन पेश कर दिया।

क्या था पूरा विवाद और कैसे हुआ खुलासा?

यह पूरा मामला साल 2016 में इंदौर के लसूड़िया थाने में एक महिला द्वारा आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ दर्ज कराई गई शिकायत से जुड़ा है। दरअसल, साल 2020 में संतोष वर्मा की पदोन्नति होनी थी, जिसके लिए इस लंबित मामले का निपटारा होना जरूरी था। एसआईटी का आरोप है कि इसी वजह से केस को जल्द खत्म करने के प्रयास शुरू हुए। जब पूरे घटनाक्रम की जानकारी पीड़ित महिला को मिली तो उन्होंने 9 नवंबर 2020 को कोर्ट की विजिलेंस शाखा और जिला न्यायाधीश से शिकायत की।

इंस्टाग्राम से निजता खत्म होगी या नहीं

शासन ने जवाब के लिए कोर्ट से फिर मांगा समय, 17 को होगी सुनवाई

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम से एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग सेवा हटने से आम लोगों की प्राइवेसी खत्म होने को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। केंद्र शासन की ओर से उपस्थित हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट से याचिका में

जवाब देने के लिए समय मांगा है। कोर्ट में मामले को लेकर अब 17 अगस्त को अगली सुनवाई होगी।

गौरतलब है कि इंस्टाग्राम ने अपने प्लेटफार्म से एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग सेवा आठ मई से समाप्त करने के लिए सूचना जारी की है। इसके विरुद्ध अभिभाषक पार्थ शर्मा ने हाई कोर्ट में जनहित याचिका प्रस्तुत की है।

आरोप है कि इससे जनता के डाटा के साथ ही निजता का उल्लंघन होगा। याचिका में उन्होंने अंदेशा जताया है कि इसके बाद इस साइट का उपयोग करने वालों के डेटा को इस प्लेटफार्म की मालिक कंपनी मेटा सहित अन्य भी देख सकेंगे। इससे निजता खतरे में पड़ जाएगी।

वरिष्ठ अभिभाषक कपिल सिब्बल वीडियो कांफ्रेंसिंग से उपस्थित हुए

कोर्ट में सुनवाई के दौरान मेटा कंपनी की ओर से वरिष्ठ अभिभाषक कपिल सिब्बल वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये उपस्थित हुए। उन्होंने कोर्ट को बताया कि मेटा जो कि इंस्टाग्राम की पेरेंटल कंपनी है उसकी बनाई गई नई निजता नीति, कानून के तहत ही है।

सरकार जानकारी मांगेगी तो कंपनी सरकार को डेटा देगी

नई नीति में ये तय किया गया है कि किसी तरह की कानून के खिलाफ गतिविधि होने, आपराधिक मामलों, स्मगलिंग, जैसी घटनाओं को रोकने के लिए यदि सरकार जानकारी मांगेगी तो कंपनी सरकार को डेटा देगी। न की अन्य किसी को। नीति को लेकर गलत जानकारी कोर्ट के सामने रखी जा रही है।

दतिया उपचुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी हुई तेज

अवधेश नायक ने बढ़ाया सस्पेंस, बोले- अभी कोई फैसला नहीं, भाजपा और कांग्रेस दोनों की है नजर

दतिया, दोपहर मेट्रो

दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अवधेश नायक इन दिनों राजनीतिक चर्चाओं के केंद्र में हैं। कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने के बाद उनके भाजपा में लौटने की अटकलें तेज हैं। इस बीच नायक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर साफ किया है कि उन्होंने अभी कोई निर्णय नहीं लिया है। अवधेश नायक ने लिखा कि पिछले दो दिनों में उनके निवास पर कांग्रेस और भाजपा, दोनों दलों के प्रत्याशी और वरिष्ठ नेता सौजन्य भेंट के लिए पहुंचे। उन्होंने बताया कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, सांसद, विधायक, पूर्व मंत्री और संगठन के कई पदाधिकारी भी उनसे मिलने आए। उन्होंने कहा कि बसई अंचल और ग्रामीण क्षेत्र के अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों से चर्चा अभी बाकी है। अगले एक-दो

दिनों में बातचीत पूरी होने के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका फैसला दतिया के हित को ध्यान में रखकर होगा और उनके नाम से चल रही किसी भी तरह की अफवाह पर भरोसा नहीं किया जाए। अवधेश नायक कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह के नामांकन कार्यक्रम में भी नजर नहीं आए। इसके अलावा कांग्रेस की घोषित स्टार प्रचारकों की सूची में भी उनका नाम शामिल नहीं है। इससे उनके भविष्य को लेकर राजनीतिक चर्चाएं और तेज हो गई हैं।

2023 से अब तक नाराजगी बरकरार

अवधेश नायक 2023 में भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने पहले उन्हें उम्मीदवार घोषित किया, लेकिन 24 घंटे के भीतर टिकट बदलकर राजेंद्र भारती को दे दिया। पार्टी नेतृत्व ने भविष्य में अवसर देने का भरोसा दिया था। इस बार भी दतिया उपचुनाव में टिकट नहीं मिलने से उनकी नाराजगी सामने आई है। राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक भाजपा लंबे समय से अवधेश नायक की वापसी की संभावनाएं तलाश रही है। हालांकि प्रदेश भाजपा नेतृत्व ने इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। इधर, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने हाल ही में सार्वजनिक मंच से अवधेश नायक से 2023 के टिकट विवाद को लेकर खेद जताते हुए माफी भी मांगी थी।

मुख्यमंत्री ने लॉन्च किया दृष्टि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म

पंचायत स्तर पर ऑडिट प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सरल होगी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पंचायत स्तर पर ऑडिट प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के लिए विकसित दृष्टि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। इसके साथ ही पंचायत दर्पण पोर्टल पर पेमेंट गेटवे की सुविधा का भी शुभारंभ किया गया। मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक के दौरान हुई इस लॉन्चिंग से पंचायत स्तर पर ऑडिट प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सरल होगी। यह व्यवस्था देश में पंचायतों के पूर्णतः डिजिटल रिमोट वित्तीय ऑडिट की दिशा में अपनी तरह की अभिनव पहल है।

केंद्रीय वित्त आयोग से प्राप्त होने वाले अनुदान की राशि के लिए त्रिस्तरीय पंचायतों के समयबद्ध ऑडिट की अनिवार्यता है। भारत के महालेखाकार के निर्देशन में पंचायती राज संचालनालय द्वारा एनआईसी के तकनीकी सहयोग से ऑनलाइन ऑडिट के लिए दृष्टि नामक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है। इस प्लेटफॉर्म पर जाकर ऑडिटर अपने घर या ऑफिस से किसी भी पंचायत के सभी प्रकार के आय व्यय सम्बन्धी अभिलेख देख सकते हैं।

मेट्रो एंकर | **5 अगस्त से भोपाल में होगा ब्रिक्स का महाकुंभ**

एआई, सांस्कृतिक विरासत और जलवायु परिवर्तन पर दुनिया के दिग्गज करेंगे चर्चा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल अगले महीने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी करने जा रही है। 5 से 8 अगस्त तक यहां तीसरी ब्रिक्स कल्चर वर्किंग ग्रुप, ब्रिक्स सांस्कृतिक महोत्सव और ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक आयोजित होगी। इस आयोजन में ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधि संस्कृति, तकनीक और वैश्विक चुनौतियों से जुड़े अहम विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं और आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी विभागों को समयबद्ध तरीके से व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। आयोजन की

तैयारियों को लेकर कलेक्टर शिवेंद्र मिश्रा ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में सुरक्षा, परिवहन, आवास, आतिथ्य, स्वच्छता और विभागीय समन्वय सहित सभी व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि यह आयोजन भोपाल और पूरे मध्य प्रदेश के लिए गौरव का अवसर है। इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें और किसी भी स्तर पर लापरवाही न होने दें। देश-विदेश से आने वाले प्रतिनिधियों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता रहेगी। आयोजन के तहत 5 और 6 अगस्त को तीसरी ब्रिक्स कल्चर वर्किंग ग्रुप की बैठक होगी। इसके बाद 6 और 7 अगस्त को ब्रिक्स सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित किया जाएगा। वहीं 7 और 8 अगस्त को ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों की बैठक होगी, जिसमें कई महत्वपूर्ण विषयों पर साझा रणनीति और सहयोग को लेकर चर्चा होने की संभावना है।

तीन प्रमुख मुद्दों पर होगा मंथन

बैठक के दौरान रचनात्मक उद्योगों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका, कलाकारों के कॉपीराइट और बौद्धिक संपदा अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर विचार किया जाएगा। इसके अलावा औपनिवेशिक काल में देशों से बाहर ले जाई गई सांस्कृतिक धरोहरों और ऐतिहासिक कलाकृतियों की वापसी के प्रयासों पर चर्चा होगी। जलवायु परिवर्तन से निपटने में पारंपरिक ज्ञान, सांस्कृतिक विरासत और स्वदेशी जीवनशैली की भूमिका भी एजेंडे का अहम हिस्सा रहेगी।

युद्ध की कीमत

युद्ध की सबसे भयावह तस्वीर बारूद के धुएं में नहीं, बल्कि उन मासूम चेहरों में दिखाई देती है जिनका उससे कोई संबंध नहीं होता। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच गहराता संघर्ष अब उसी भयावह मोड़ पर पहुंच चुका है, जहां मिसाइलें केवल सैन्य ठिकानों पर नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, समुद्री व्यापार और मानवता के साझा भविष्य पर भी दागी जा रही हैं। पांच दिन, तीन रातें और सैकड़ों विनाशकारी हमले-यह आंकड़ा केवल सैन्य कार्रवाई का नहीं, बल्कि उस बेचैन होती दुनिया का है, जो हर नए विस्फोट के साथ एक और अस्थिर भविष्य की ओर बढ़ रही है। इस संघर्ष ने होर्मुज जलडमरूमध्य को केवल सामरिक गलियारा नहीं रहने दिया, बल्कि उसे वैश्विक शक्ति संघर्ष का प्रतीक बना दिया है। दुनिया के ऊर्जा व्यापार की धड़कन माने जाने वाले इस समुद्री मार्ग पर यदि भय का साया गहराता है, तो उसके कंपन केवल खाड़ी तक सीमित नहीं रहेंगे। एशिया, यूरोप और अफ्रीका के बाजारों से लेकर भारत की रसोई तक, हर जगह इसकी गूंज सुनाई देगी। तेल महंगा होगा, आपूर्ति श्रृंखलाएं टूटेंगी, उद्योग प्रभावित होंगे और महंगाई का नया दौर आम नागरिक की जिंदगी को और कठिन बना देगा। लेकिन इस युद्ध का सबसे पीड़ादायक पक्ष वे लोग हैं जो किसी राष्ट्र की राजनीति का हिस्सा नहीं, बल्कि अपने परिवार की रोजीरोटी के लिए समुद्र में उतरे नाविक हैं। हालिया हमलों में भारतीय नाविकों के हताहत और लापता होने की खबरें केवल आंकड़े नहीं हैं। वे उन घरों की अधूरी प्रतीक्षा हैं, जहां हर बंदरगाह से लौटते जहाज के साथ अपनों के आने की उम्मीद भी बंधी रहती है। युद्ध का सबसे बड़ा अन्याय यही है कि उसकी कीमत अक्सर वही लोग चुकाते हैं, जिन्होंने युद्ध चुना ही नहीं होता। आज प्रश्न केवल अमेरिका और ईरान का नहीं है। प्रश्न यह भी है कि क्या अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं इतनी कमजोर हो चुकी हैं कि वे समुद्री कानूनों, नागरिक जहाजों और मानवीय मूल्यों की रक्षा तक नहीं कर पा रहीं? भारत के लिए यह चिंता और गहरी है। देश का अधिकांश विदेशी व्यापार समुद्री मार्गों से संचालित होता है और हजारों भारतीय नाविक विश्व के जहाजों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनकी सुरक्षा केवल मानवीय मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व भी है। ऐसे समय में भारत की कूटनीति को अपने नागरिकों की सुरक्षा, समुद्री मार्गों की स्वतंत्रता और क्षेत्रीय शांति के पक्ष में और अधिक सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

साइलेंट महामारी... 'डिजिटल जुए' के मायाजाल में फंसी किशोर पीढ़ी

भूपेन्द्र शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

ऑनलाइन गेम के दुष्परिणाम देशभर में आए दिन समाचारों और सोशल मीडिया पर प्रसारित होते रहते हैं। निस्संदेह सुनकर या पढ़कर हम-आप कुछ पल के लिए दुख व्यक्त कर सकते हैं, इस आधुनिक समस्या पर चिंता जता सकते हैं, लेकिन सोचिए, जिस परिवार का हंसता-खेलता बच्चा इस दलदल में समा जाए, उनकी पीड़ा और भावी जीवन की व्यथाएं क्या होंगी ! आज देशभर के अनगिनत किशोर, युवा यहां तक कि अधेड़ उम्र के लोग भी इस आधुनिक गेम (जो वास्तव में एक आभासी जुआ है) के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। भारतीय समाज में यह लत अब किसी सामान्य मनोरंजन का हिस्सा नहीं, बल्कि एक साइलेंट महामारी की तरह प्रसारित हो रही है।

आपने टेलीविज़न, यूट्यूब और सोशल मीडिया पर ऐसे विज्ञापन अवश्य देखे होंगे, जिनमें चमक-दमक के साथ प्रचार किया जाता है- 'घर बैठे अपनी टीम बनाएं और लाखों-करोड़ों रुपए कमाएं'। मनोवैज्ञानिकों और तकनीकी विश्लेषकों के अनुसार, ऐसे विज्ञापनों की अंतर्निहित मंशा उनके सतही प्रचार से बिल्कुल उलट होती है। ये मंच न केवल अपने उपयोगकर्ताओं को लाखों रुपए का चूना लगाते हैं, बल्कि उन्हें इस ऑनलाइन जुए (रियल मनी गेमिंग) की ऐसी लत लगा देते हैं, जिससे बाहर निकलना संभव नहीं होता। परिणामस्वरूप, रातोरात धनाढ्य बनने की अंधी लालसा के चलते युवाओं में ऑनलाइन गेमिंग की प्रवृत्ति एक मानसिक बीमारी बनती जा रही है। प्रारंभ बहुत मासूमियत भरा होता है- व्यक्ति मात्र मनोरंजन या मित्रों के दबाव में इसे खेलना आरंभ करता है, किंतु गेम के एल्गोरिदम को इस प्रकार डिज़ाइन किया जाता है कि शीघ्र ही उसे इसकी लत लग जाती है। धीरे-धीरे इसका असर उसकी पढ़ाई, करियर और पारिवारिक जीवन पर पड़ने लगता है। सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि जब तक माता-पिता या परिजनों को इस लत का आभास हो पाता है, तब तक यह गेम खेलने वाले के अंतस में इतनी गहरी पैठ कर चुका होता है कि वह 'आर या पार' या 'करो या मरो' की अवस्था में जी रहा होता है।

इस लत के पीछे का तंत्र अत्यंत कुटिल है। नए यूज़र्स को आकर्षित करने के लिए आरंभ में उन्हें 'फ्री क्रेडिट' या निशुल्क गेम खेलने की पेशकश की जाती है। गेमिंग ऐप्स को इस प्रकार डिज़ाइन किया जाता है कि मानव मस्तिष्क में 'डोपामाइन' (प्रसन्नता का आभास कराने वाला न्यूरोट्रांसमीटर) का स्राव बढ़े, जिससे खिलाड़ी घंटों स्क्रीन से चिपके रहें। डिजिटल एक्सपर्ट्स का मानना है कि युवा पीढ़ी पारंपरिक जुए (जैसे ताश के पत्ते या सट्टा) की तुलना में ऑनलाइन गेम की ओर शीघ्रता से आकर्षित होती है। चूंकि आज की पीढ़ी जन्म से ही डिजिटल वर्ल्ड में पली-बढ़ी है, इसलिए वे इन ऐप्स के इंटरफ़ेस को आसानी से समझ लेते हैं। सबसे घातक बात यह है कि यह जुआ बंद कमरे में, एक चमचमाते स्मार्टफोन के भीतर होता है। इसलिए जब कोई किशोर अपनी पॉकेट या माता-पिता का बैंक एकाउंट क्लीन कर रहा होता है, तो उसे कोई देख नहीं रहा होता।

कुछ समय पूर्व तमिलनाडु में ऑनलाइन गेम में फंसकर 42 से अधिक लोगों ने आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद तमिलनाडु सरकार ने मद्रास हाईकोर्ट के पूर्व जज की अध्यक्षता में जांच के लिए एक विशेष समिति बनाई थी, जिसकी रिपोर्ट में कहा गया था कि ऑनलाइन गेमिंग ने न केवल लाखों परिवारों को आर्थिक रूप से नष्ट किया है, बल्कि बच्चों के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य (जैसे- नेत्र रोग, क्षति, अनिद्रा, डिप्रेशन, उत्तेजना) को चौपट कर दिया है। इस समिति की संस्तुति पर राज्य सरकार ने कठोर अध्यादेश लागू किया। इसके बाद तेलंगाना, कर्नाटक, राजस्थान, असम और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों ने भी ऑनलाइन गेमिंग के इस कहर को रोकने के लिए क़ानूनी घेराबंदी आरंभ की।

भारत केंद्र सरकार ने भी न्यायालयों में शपथ-पत्र देकर यह माना था कि डिजिटल सुरक्षा की दृष्टि से 13 वर्ष से कम आयु के बच्चे सोशल मीडिया और गेमिंग के संवेदनशील भागों में सीधे भागीदार नहीं हो सकते तथा 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों की सक्रियता माता-पिता की देखरेख में ही होनी चाहिए। यद्यपि, सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने के लिए जो बिल पेश किए थे, वे आज भी तकनीकी और कॉरपोरेट लॉबिंग के कारण पूर्ण रूप से एक ठोस, अचूक और केंद्रीय क़ानून का रूप लेने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

देश में 5त्र इंटरनेट की पैठ और सस्ते स्मार्टफ़ोन के विस्तार के कारण इस 'मनी गेमिंग' उद्योग का विशेषे विस्तार हुआ है। हालिया आर्थिक समीक्षाओं और टेक रिपोर्ट्स के अनुसार, वर्ष 2025-2026 तक भारत में ऑनलाइन गेमिंग का मार्केट 5 अरब डॉलर (लगभग 41,000 करोड़ रुपए) के विशाल आंकड़े को पार कर चुका है। वर्तमान आंकड़ों के अनुसार, भारत में लगभग 42 करोड़ से अधिक लोग ऑनलाइन गेमिंग में सक्रिय हैं, जिनमें से एक बड़ा भाग किशोरों और कॉलेज जाने वाले युवाओं का है।

विश्वभर के देशों ने अब इस संकट को भांपते हुए कड़े स्टैप उठाने आरंभ किए हैं ! चीन ने 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए ऑनलाइन गेम खेलने का समय सीमित कर दिया है। वे सप्ताह में केवल तीन घंटे (शुक्रवार, शनिवार और रविवार को एक-एक घंटा) ही गेम खेल सकते हैं। यूरोपीय देशों ने 'लूटा बॉक्सेस' (गेम के भीतर पैसे देकर सामान क्रय करना) को जुए की श्रेणी में रखकर बच्चों के लिए प्रतिबंधित करना आरंभ कर दिया है। भारत सरकार ने हाल ही में ऑनलाइन गेमिंग की पूर्ण टर्नओवर राशि पर 28% जीएसटी लागू किया है, ताकि इस उद्योग की अनियंत्रित गति को थोड़ा नियंत्रित किया जा सके, किंतु यह आर्थिक उपाय सामाजिक लत को रोकने में अपर्याप्त सिद्ध हो रहा है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

विश्व युवा कौशल दिवस पर विशेष

चुनौतियों भरे भविष्य के लिए सबसे मजबूत नींव है युवा कौशल क्रांति

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण तथा स्थानीय व वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए प्रासंगिक अन्य कौशलों के विकास के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 15 जुलाई को 'विश्व युवा कौशल दिवस' मनाया जाता है। चूंकि यह दिन विश्वभर के युवाओं को रोजगार, काम और एंटरप्रेन्योर बनने के लिए जरूरी स्किल्स से लैस बनाने के लिए समर्पित है इसीलिए यह दिवस मनाए जाने का काफी महत्व है।

दरअसल, पूरी दुनिया आज कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनमें से कई चुनौतियां खासकर युवा वर्ग को बहुत प्रभावित करती हैं। यह दिवस युवाओं और 'तकनीकी, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण' (टीवीईटी) संस्थानों, फर्मों, नियोक्ताओं, श्रमिक संगठनों, नीति निर्माताओं तथा विकास भागीदारों के बीच संवाद का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। यह दिन लैंगिक असमानता को समाप्त करने तथा कमजोर लोगों तक संसाधनों की पहुंच सुनिश्चित करने को बढ़ावा देने के लिए भी खास माना जाता है। विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक पूरी दुनिया में 200 मिलियन से भी ज्यादा युवा या तो बेरोजगार हैं या उनके पास नौकरी तो है लेकिन वे गरीबी में जी रहे हैं। केवल 1997 और 2017 के बीच ही युवा आबादी में 139 मिलियन की वृद्धि हुई, वहीं युवा श्रम बल में 58.7 मिलियन की कमी आई। कोरोना काल के बाद तो युवा श्रम बल को लेकर स्थिति काफी बदतर हुई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में पांच में से दो युवा श्रमिक प्रतिदिन 3.1 अमेरिकी डॉलर से भी कम पर जीवनयापन करते हैं और वैश्विक स्तर पर 4 में से 3 युवा कर्मचारी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में कार्यरत हैं, जो सभ्य काम नहीं है।

वैश्विक स्तर पर अधिकांश युवा अभी भी स्थिर या संतोषजनक नौकरी पाने के लिए औसतन 13.8 महीने तक प्रतीक्षा करते हैं, जो शिक्षा से नौकरी में एक कठिन संक्रमण को दर्शाता है। चूंकि पूरी दुनिया में युवा बेरोजगारों बहुत बड़ी फौज है इसलिए उनके लिए आने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन करने के कौशल से लैस होना और भविष्य में होने वाली बाधाओं को झेलने के लिए लचीलापन होना आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर बढ़ती युवा बेरोजगारी आज की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के सामने विकसित और विकासशील देशों के लिए सबसे बड़ी समस्या है। इसीलिए विश्व युवा कौशल दिवस का मुख्य उद्देश्य बेरोजगारी और अल्प रोजगार की चुनौतियों के संदर्भ में आज के युवाओं के लिए बेहतर सामाजिक-आर्थिक स्थिति प्राप्त करना है। युवाओं को रोजगार, अच्छे कार्य और उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के रणनीतिक महत्व को स्वीकार करने और साथ ही वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने तथा सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 15 जुलाई 2014 को विश्व युवा कौशल दिवस मनाने की घोषणा की थी, तभी से यह दिवस 15 जुलाई को एक खास विषय के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष इस दिवस के लिए 'साझा भविष्य के लिए कौशल' विषय निर्धारित किया गया है जो इस विचार को रेखांकित करता है कि भविष्य केवल तकनीकी दक्षता से नहीं बल्कि ऐसे संतुलित कौशलों से निर्मित होगा, जिनमें डिजिटल साक्षरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित तकनीक, सामाजिक-भावनात्मक समझ, सहयोग, नवाचार और जिम्मेदार नागरिकता का समावेश हो।

भारत में 2015 में इसी दिन यानी 15 जुलाई को ही कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' (पीएमकेवीवाई) की शुरूआत की गई थी। इसके तहत युवाओं को मुफ्त में लघु अवधि का औद्योगिक कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे रोजगार प्राप्त कर सकें। 14 से 35 वर्ष के युवा इस मिशन के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए तीन महीने, छह महीने या एक वर्ष के लिए रजिस्ट्रेशन कराना होता है। कोर्स पूरा करने के पश्चात प्रमाणपत्र दिया जाता है, जो देशभर में मान्य है और इस कौशल प्रमाणपत्र के आधार पर आसानी से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। चूंकि युवा वर्ग समाज में अधिक न्यायसंगत, समान और प्रगतिशील अवसरों तथा समाधानों की मांग कर रहा है इसलिए युवाओं के समक्ष आने वाली शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और लैंगिक समानता तक पहुंच जैसी बहुमुखी चुनौतियों के समाधान की आवश्यकता पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है। इसके लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें अपने कार्य वातावरण में अधिक रोजगार योग्य तथा अधिक उत्पादक बनाने के लिए गंभीर पहल किए जाने की भी जरूरत है।

भारत में केंद्र सरकार की ऐसी ही महत्वपूर्ण पहल है 'कौशल भारत', जिसके जरिये सफल होने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करने के प्रयास किए जाते हैं। 'स्किलिंग इंडिया' के तहत 'कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय' भारतीयों में ऐसे कौशल विकसित करने की पहल और योजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में योगदान बढ़ा सकें। दरअसल, युवा राष्ट्र निर्माण और छवि निर्माण दोनों में ही सबसे बड़े हितधारक हैं इसलिए उनके उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने तथा देश और दुनिया को एक बड़ा कुशल कार्यबल प्रदान करने पर सरकार का फोकस है। युवाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं में 'नेशनल अप्रेन्टसशिप प्रोमोशन स्कीम', युवाओं को स्टार्टअप शुरू करने, नवविचार को प्रोमोट करने, देश में स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'स्टार्टअप इंडिया', बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को नया कारोबार शुरू करने के लिए लोन उपलब्ध करवाने के लिए 'पीएम रोजगार योजना' इत्यादि विभिन्न योजनाएं शामिल हैं।

तीव्र गति से विकसित होती प्रौद्योगिकी और नौकरी बाजार की निरंतर विकसित होती प्रकृति को देखते हुए युवाओं को अनुकूलनीय और बहुमुखी कौशल सैट के साथ सशक्त बनाना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस का कहना है कि न केवल आज बल्कि हर दिन शिक्षा को बदलने के लिए काम करते हुए यह सुनिश्चित करने के भी प्रयास होने चाहिएं कि युवाओं के पास वह सबकुछ हो, जो उनके लिए अधिक शांतिपूर्ण, टिकाऊ भविष्य को आकार देने और उनके कौशल को विकसित करने के लिए आवश्यक है। अब चूंकि विभिन्न उद्योगों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकों का तेजी से उपयोग कार्य के परिदृश्य को बदल रहा है इसलिए भविष्य की नौकरियों के लिए युवाओं को तैयार करने हेतु उन्हें आवश्यक एआई कौशल से लैस करना बेहद महत्वपूर्ण हो गया है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

डेंगू, टाइफाइड, वायरल का मौसम... बिना डॉक्टर की सलाह न लें दवाएं

भारत के लगभग हर हिस्से में मानसून पहुंच चुका है। आमतौर पर हर साल इससे होने वाले जलभराव और मौसम में बदलाव की वजह से बुखार के मामले बढ़ जाते हैं। बुखार से यह चेतावनी मिलती है कि शरीर का इम्यून सिस्टम किसी बाहरी अटैक के खिलाफ लड़ रहा है। लेकन इस दौरान अधिकतर लोग सभी बुखार का एक ही कारण समझकर एंटीबायोटिक्स या ओटीसी दवाएं खाने लगते हैं, जो कि डॉक्टर्स के अनुसार गलत है।

सबसे पहले वायरल फीवर की बात। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे इंफ्लुएंजा या एडेनोवायरस। यह बहुत संक्रामक होते हैं और खांसी, छींक या बोलने के दौरान मुंह-नाक से निकलने वाली बूंदों या मरीज के नजदीकी संपर्क से फैलते हैं। वायरस के खिलाफ एंटीबायोटिक्स दवाएं बिल्कुल बेअसर होती हैं। इसका इलाज आमतौर पर लक्षण आधारित होता है। पर्याप्त आराम करें, हाइड्रेट रहें, पैरासिटामोल जैसी एंटीपायरेटिक दवा से बुखार कंट्रोल होता है। इसके अलावा बैक्टीरियल फीवर तब होता है, जब हानिकारक बैक्टीरिया शरीर में तेजी से बढ़ने लगते हैं। जिससे लोकलाइज इंफेक्शन होता है जैसे स्ट्रेप थ्रोट, यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन या बैक्टीरियल निमोनिया।

डेंगू फीवर: यह डेंगू मच्छरों से होने वाला वायरल इंफेक्शन है, जो एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। यह खासतौर से मानसून के दौरान या उसके तुरंत बाद देखने को ज्यादा मिलता है। इसमें अचानक तेज बुखार आता है जो आमतौर पर 2 से 7 दिन तक रहता है। आंखों के पीछे तेज दर्द, जोड़ों में दर्द, मसल्स का दर्द, पूरे शरीर पर सपाट लाल चक्कते और गंभीर जी मिचलाने की दिक्कत होती है। इसके अलावा टाइफाइड एक जानलेवा बैक्टीरियल बुखार है, जो साल्मोनेला टाइफी की वजह से होता है। यह दूषित पानी और खाने की वजह से फैलता है, इसलिए गंदगी वाली जगहों व इलाकों में इसका खतरा ज्यादा होता है।

डॉक्टर के पास कब जाएं : अगर बुखार 3 दिन से ज्यादा वक्त तक 103 डिग्री फॉरेनहाइट या उससे ऊपर रहता है और इसके साथ सांस फूलना, लगातार उल्टी, अत्यधिक थकान और स्किन रैशेज जैसे चेतावनी भरे लक्षण दिख रहे हैं तो बिना देर किए डॉक्टर से परामर्श कर लेना चाहिए। खुद से दवा खाने पर गंभीर लक्षण और मदद की जरूरत को पहचानने में देरी हो सकती है। अगर आप या आपके किसी जानकार को लगातार तेज बुखार है तो जल्दी प्रभावी इलाज मिलने के लिए बुखार का सही अध्ययन करना बहुत जरूरी है।

निशाना

दांव पर सब कुछ लगा बैठे..!

दिनेश मालवीय 'अश्क'

दांव पर सब कुछ लगा बैठे हो, अब क्या देखना है
जो भी पाया सब गवां बैठे हो, अब क्या देखना है।
लोग कहते हैं जला देती जो हस्ती को सभी
आग वो दिल में लगा बैठे हो, अब क्या देखना है।
कौन सी कमज़ोर नस दबने से हम मर जाएंगे
दोस्तों को यह बता बैठे हो, अब क्या देखना है।
जिसके सीने में है या है भी नहीं दिल क्या पता
हम उसीसे से दिल लगा बैठे हो, अब क्या देखना है।
लाख समझाया सभी ने मत ये नादानी करो
शाह को करके ख़फा बैठे हो, अब क्या देखना है।

यूजर्स अलर्ट

सरकारी ऐप उमंग में लगी बड़ी सेंध, लाखों भारतीयों का पीएफ और आधार डेटा लीक

ईपीएफओ संबंधित काम हो या फिर किसी सरकारी स्कीम की जानकारी चाहिए हो, आजकल ज़्यादातर ऐप का इस्तेमाल ज्यादातर लोग करते हैं। लेकिन इस सरकारी ऐप पर भी पर्सनल डेटा सुरक्षित नहीं है। 'द हिंदू' की लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, दो सिक्योरिटी रिसर्चर्स ने बताया है कि यूनिफाइड मोबाइल एप्लीकेशन फॉर न्यू-एज गवर्नेंस उमंग में कई कमियां है। यह ऐप पब्लिक के लिए केंद्र और राज्य सरकारों की सैकड़ों सर्विस को एक साथ लाता है। ऐप में कुछ कमियों की वजह से लाखों भारतीयों की जरूरी जानकारियां लीक हो गई हैं। इस असुरक्षित डेटा में EPFO से जुड़ी जानकारियां भी शामिल हैं।

रिसर्चर अक्षय सी.एस. और वायरल वाघेला का कहना है कि यह समस्या पोर्टल के आर्किटेक्चर की वजह से है। मिस्टर वाघेला ने कहा कि इसका डिजाइन ही ऐसा है कि लगभग सब कुछ खराब है। बता दें कि UMANG ऐप को नौ साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में हुई साइबर स्पेस की पांचवीं ग्लोबल कॉन्फ्रेंस में लॉन्च किया था।

लीक हुए डेटा में पीएफ (EPFO) का यूएएन (UAN) नंबर, एक बड़ी गैस कंपनी के साथ की गई एलपीजी (LPG) सिलेंडर बुकिंग की जानकारी, कई सेवाओं में लोगों के आधार नंबर शामिल है। कई सेवाओं में लोगों के आधार नंबर बिना किसी सुरक्षा लॉक के सेव किए गए थे। आधार एक्ट, 2016) के तहत आधार नंबरों को इस तरह बिना सुरक्षा के रखना पूरी तरह मना है। इस गड़बड़ी के बीच, उमंग (UMANG) ऐप का अपना मुख्य आधार सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित था।

कमियों को माना: ईपीएफओ, UMANG की सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाली सर्विस है, जिसमें पिछले तीन महीनों में 40 करोड़ से ज्यादा ट्रांजैक्शन हुए हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 'द हिंदू' को दिए एक बयान में इन कमियों को माना।

अजब - गजब

खुदाई में मिली 2 हजार साल पुरानी लाश बगल में था आईफोन जैसा दिखने वाला बॉक्स

पुरातत्व की दुनिया में एक ऐसा खुलासा हुआ है जिसने वैज्ञानिकों से लेकर आम लोगों तक के होश उड़ा दिए हैं। रूस के तुवा गणराज्य में 'अटलांटिस' नाम से मशहूर डूबे हुए इलाके की खुदाई के दौरान करीब 2137 साल पुरानी एक युवती की कब्र मिली। बॉडी को 'नताशा' नाम दिया गया है। लेकिन सबसे हैरान करने वाली बात उसके साथ मिला वो बॉक्स था जो आज के आईफोन जैसा दिखता है। यह खोज 2019 में हुई थी लेकिन अब इसकी चर्चा सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। लोग इसे टाइम ट्रैवल का सबूत बता रहे हैं तो कुछ इसे प्राचीन इंजीनियरिंग का अद्भुत नमूना मान रहे हैं।

तुवा इलाका रूस का खूबसूरत पहाड़ी क्षेत्र है। यहां सयानो-शुशेनस्काया बांध के पास एक नेक्रोपोलिस (कब्रिस्तान) है जो ज्यादातर पानी में डूबा रहता है। सूखे मौसम में जब पानी कम होता है तब खुदाई संभव होती है। इसी दौरान पुरातत्वविदों की टीम को यह कब्र मिली। डॉ. पावेल लियुस के नेतृत्व वाली टीम ने बताया कि कब्र में दफन महिला हून्नू युग की थी। यह युग 92 ईसा पूर्व से 71 ईस्वी के आसपास का माना गया है। रेडियोकार्बन डेटिंग से इसकी पुष्टि हुई। महिला फैशनेबल युवती थी ओर उसका बेल्ट चीनी वुजू सिक्कों से सजा हुआ था, जो डेटिंग में मददगार साबित हुआ। पास की तीन अन्य कब्रों में भी ऐसे ही जेट बकल मिले, लेकिन नताशा वाला सबसे बड़ा और भारी था। पुरातत्वविदों का कहना है कि यह कोई फोन नहीं बल्कि बेल्ट बकसुआ है। फिर भी इसका डिजाइन इतना आधुनिक है कि लोग सवाल पूछ रहे हैं- क्या प्राचीन लोग इतनी उन्नत कला जानते थे? हून्नू लोग मंगोलिया और दक्षिणी साइबेरिया के घुमंतू योद्धा थे। वे चीन के साथ संघर्ष करते थे। इनकी कला में चीनी प्रभाव दिखता है। चीनी सिक्के उनके व्यापार और संपर्क को दर्शाते हैं।

टाइम ट्रैवल की अफवाहें: सोशल मीडिया पर यूजर्स लिख रहे हैं- '2000 साल पहले आईफोन? जरूर कोई टाइम ट्रैवलर वहां फंस गया होगा।' कुछ कहते हैं यह एलियन टेक्नोलॉजी ह। लेकिन वैज्ञानिक इन दावों को खारिज करते हैं। वे कहते हैं कि प्राचीन कारीगरों की कारीगरी अद्भुत थी। वे पत्थर को इस तरह तराश सकते थे कि वह आधुनिक लगे।

न्यूज विंडो

30 लाख रुपये से बनने वाली पेवर ब्लॉक का किया भूमि पूजन

मंडीदीप। मंडीदीप के वार्ड नं. 21, अखण्ड ज्योति दुर्गा पार्क (पटेल नगर) में क्षेत्र के पेवर विकास और सौंदर्यीकरण को गति देते हुए लगभग 30 लाख की अनुमानित लागत से होने वाले पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य का विधि-विधान से भूमिपूजन संपन्न हुआ। यह कार्य पूर्ण होने से स्थानीय निवासियों और पार्क में आने वाले श्रद्धालुओं व नागरिकों को आवागमन में सुगमता होगी और क्षेत्र की सुसज्जा में बढ़ोतरी होगी। नपा अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका अग्रवाल ने बताया की हमारा संकल्प है की हर वार्ड का समग्र विकास हो और हर नागरिक की सुविधा का ध्यान रखा जाए। साथ ही इस अवसर पर वार्ड पार्षद क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

नशा व्यक्ति का नहीं बल्कि पूरे परिवार, समाज और राष्ट्र का दुश्मन - कादरी

गंजबासौदा। नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत नशा मुक्त बासौदा , नशे से दूरी है जरूरी 2.0 के तहत ग्राम सेमरी मे चित्रकला प्रतियोगिताओ का आयोजन कर नशे के विरुद्ध जन जागरण अभियान चलाया गया।इस अवसर पर नशा मुक्त के लिए क्षेत्र मे लगातार कार्य कर रहे ब्रांड एम्बेसडर योग गुरू सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने कहा नशा सिर्फ एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार और राष्ट्र को प्रभावित करता है। नशीले पदार्थों के सेवन से कैंसर, फेफड़ों की बीमारी, मानसिक संतुलन खोना और दिल का दौरा पड़ने जैसी जानलेवा बीमारियां होती है।नशे की लत के कारण हंसते-खेलते परिवार कर्ज के जाल में फंस जाते हैं और आर्थिक रूप से बर्बाद हो जाते हैं। नशे की हालत में व्यक्ति सही-गलत का अंतर भूल जाता है, जिससे समाज में चोरी, घरेलू हिंसा, बलात्कार और सड़क दुर्घटनाएं तेजी से बढ़ती है।

पोस्ट ऑफिस घाट पर डूब रही महिला को पुलिस ने बचाया, किया सम्मान

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम पुलिस की त्वरित कार्रवाई और मानवीय संवेदनशीलता से पोस्ट ऑफिस घाट पर डूब रही एक महिला की जान बच गई। घटना 13 जुलाई की है, जब डायल-112 पर सूचना मिली कि एक महिला नदी में डूब रही है। सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। वहां महिला पानी में पेट के बल अचेत अवस्था में मिली। थाना कोतवाली में पदस्थ डायल-112 के प्रधान आरक्षक राकेश भिलाला ने बिना देर किए महिला को सुरक्षित पानी से बाहर निकाला। महिला की हालत गंभीर होने पर तत्काल उप निरीक्षक दीपिका लोखंडे को बुलाया गया। उन्होंने मौके पर ही महिला को सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) दिया, जिससे उसकी सांसें वापस लौट आईं। इसके बाद पुलिस टीम ने महिला को तत्काल जिला अस्पताल नर्मदापुरम पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार महिला की पहचान श्रीमती कृष्ण रैकवार (45), पत्नी धर्मेंद्र रैकवार, निवासी कोठी बाजार, नर्मदापुरम के रूप में हुई है। इस साहसिक और जीवनरक्षक कार्य के लिए पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा (भापुसे) ने उप निरीक्षक दीपिका लोखंडे और प्रधान आरक्षक राकेश भिलाला को सम्मानित किया है। पुलिस की इस संवेदनशील एवं त्वरित कार्रवाई की शहरभर में सराहना हो रही है।

पटवारी आज से 17 जुलाई तक हड़ताल पर रहेंगे, कामकाज होगा ठप

रतलाम। मध्यप्रदेश पटवारी संघ के प्रदेशव्यापी आह्वान पर रतलाम जिले के पटवारी 15 से 17 जुलाई तक हड़ताल पर रहेंगे। संघ ने वर्षों से लंबित पांच सूत्रीय मांगों के निराकरण की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि सात दिनों में समाधान नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। हड़ताल के दौरान राजस्व से जुड़े कई कार्य प्रभावित होने की संभावना है।

मोहगांव जलाशय परियोजना से प्रभावित किसान आंदोलन को मजबूर

पांढुर्णा। पांढुर्णा में मोहगांव जलाशय परियोजना से प्रभावित किसान उचित मुआवजा और लंबित मांगों को लेकर एक बार फिर आंदोलन पर उतर आए हैं। प्रशासन से कोई समाधान नहीं निकलने पर किसानों ने पांढुर्णा कृषि उपज मंडी परिसर में ही खुले आसमान के नीचे रात गुजारी। आंदोलनकारी किसानों ने सामूहिक रूप से भोजन बनाकर वहीं रात्रि विश्राम किया और मांगों के निराकरण तक आंदोलन जारी रखने की घोषणा की।

कथित तौर पर संचालित हाईप्रोफाइल देह व्यापार व हनीट्रैप गिरोह का खुलासा

सास को था 'लग्जरी गाड़ी-गोल्ड' का शौक, दामाद के साथ करने लगी देह व्यापार, अशोकनगर में भंडाफोड़

अशोकनगर। दोपहर मेट्रो

शहर की दीपेश कॉलोनी में सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक महिला अपने ही दामाद के साथ मिलकर न सिर्फ हाईप्रोफाइल देह व्यापार चला रही थी, बल्कि हनीट्रैप के जरिए युवकों को फंसाकर लाखों की वसूली भी कर रही थी। जब पुलिस ने छापा मारा, तो नजारा किसी फिल्म से कम नहीं था। पुलिस को देखते ही कई युवक छत से कूदकर भागने लगे, जिन्हें पकड़ने के लिए पुलिसकर्मी भी छतों पर कूदते और दौड़ लगाते नजर आए।

एसपी राजीवकुमार मिश्रा ने मामले का खुलासा किया। एसपी ने बताया कि मुंगावली एसडीओपी सनम बी खान के नेतृत्व में कोतवाली प्रभारी रविप्रतापसिंह चौहान ने देर शाम पुलिस बल के साथ सीमा अहिरवार के घर पर दबिश दी। मौके से मुख्य सरगना सीमा अहिरवार और एजेंट का काम करने वाले उसके दामाद भरत अहिरवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

देह व्यापार के खुलासे के साथ ही शहर के 32 वर्षीय प्रॉपर्टी डीलर विक्रांत जैन ने हिम्मत दिखाते हुए कोतवाली थाने में इस गिरोह के खिलाफ ब्लैकमेलिंग और हनीट्रैप की एफआइआर दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, प्लॉट खरीदने के बहाने सौमा अहिरवार से प्रॉपर्टी डीलर की जान-पहचान हुई थी। 15 जनवरी 2022 की रात सीमा ने उसे दीपेश कॉलोनी स्थित अपने घर बुलाया और नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर बेहोश कर दिया। अगली सुबह जब पीड़ित की नींद खुली तो वह निर्वस्त्र था। इसके बाद सीमा ने उसके अश्लील वीडियो

दिखाकर उसे बलात्कार के झूठे केस में फंसाने और आत्महत्या की धमकी देकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। साथ ही 51 लाख रु. ऐंठने के बाद भी ब्लैकमेलिंग जारी रही।

देह व्यापार से खड़ा किया साम्राज्य

पुलिस के मुताबिक मुख्य आरोपी महिला सीमा ने देह व्यापार और ब्लैकमेलिंग के काले कारोबार से बड़ी संपत्ति बना ली है। उसने गली में औने-पौने दामों पर तीन मकान खरीद लिए थे, जहां से पूरा अवैध कारोबार संचालित हो रहा था। महिला को आलीशान लाइफस्टाइल, महंगी गाडियां, कीमती मोबाइल, स्कूटी और सोने के आभूषणों का शौक था। ग्राहकों को लुभाने वह सोशल मीडिया पर बकायदा रील्स बनाकर लड़कियों की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करती थी।

प्रॉपर्टी डीलर के मुताबिक ब्लैकमेल कर ऐसे ऐंठे रुपए

- घर के पास मकान लेने के लिए उससे 10 लाख रुपए नकद वसूले गए। दामाद के नाम कार खरीदने 3.50 लाख रुपए लिए।
- क्लासिक सिटी में प्लॉट के नाम पर 5 लाख रुपए ऐंठे और दोबारा शारीरिक संबंध बनाकर फिर से वीडियो बना लिए।
- ईसागढ़ रोड वाले प्लॉट पर उससे 25 लाख रुपए खर्च करवाकर तीन मंजिला मकान बनवा लिया गया।
- सीमा ने अपनी बेटी के नाम थूबोन रोड पर प्लॉट की रजिस्ट्री के लिए प्रॉपर्टी डीलर से 8 लाख वसूले।

ये भी खास

- प्रॉपर्टी डीलर से ब्लैकमेलिंग कर 51 लाख रुपए हड़पने के मामले में भी कोतवाली पुलिस ने सीमा अहिरवार, उसकी बेटी और दामाद भरत अहिरवार के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर ली है।
- एसपी कहना है कि देह व्यापार और ब्लैकमेलिंग से अर्जित की गई इन आरोपियों संपत्ति की भी जांच कराई जाएगी, साथ ही जांच कर संपत्ति मामले में भी पुलिस कार्रवाई करेगी।
- मुख्य आरोपी सीमा अहिरवार पर लगभग 2 साल पहले भी अनैतिक देह व्यापार का मामला दर्ज हुआ था। बार-बार अपराध करने के चलते पुलिस अब उसका रिमांड लेकर पूछताछ होगी।
- हनीट्रैप, ब्लैकमेलिंग और वसूली के मामले में शामिल सीमा की बेटी अंजलि अहिरवार फिलहाल फरार है, एफआइआर दर्ज करने के बाद पुलिस अब उसकी तलाश में जुट गई है।

कलकत्ता मामले में पुलिस ने 9 आरोपियों को किया गिरफ्तार

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

बालाघाट के किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम कलकत्ता में एक महिला पर हुए जानलेवा हमले और लूटपाट के मामले में पुलिस ने 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, ये आरोपी महिला के घर में गड़ा हुआ धन खोदने के इरादे से घुसे थे। इस वारदात में शामिल दो अन्य आरोपी शुभम हिंगे और रामा भोयर फिलहाल फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

जांच में कई बिंदु सही मिलने पर कार्रवाई

एसटीआर तवा बफर के रेंजर समेत चार वनरक्षक निलंबित

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के तवा बफर क्षेत्र में वित्तीय अनियमितता और शासकीय कार्यों में लापरवाही के मामले में बड़ी विभागीय कार्रवाई की गई है। डिप्टी डायरेक्टर ऋषिभा नेताम ने बीते दिन तवा बफर के परिक्षेत्र अधिकारी (रेंजर) अमित सिंह चौहान तथा चार वनरक्षकों– राजकिशोर राय, संजय सिंह बेस, प्रशांत सिंह और लाल सिंह चावले– को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

विभागीय जांच में तालाब निर्माण एवं गहरीकरण कार्यों में स्वीकृति के अनुरूप काम नहीं कराए जाने, लेकिन पूरा भुगतान किए जाने तथा इको सेंसिटिव जोन में बिना आवश्यक स्वीकृति के होम-स्टे निर्माण होने जैसे आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए हैं। मामले की विस्तृत जांच अभी जारी है और सभी संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को आरोप पत्र जारी किए जाएंगे। जानकारी के अनुसार, इटारसी के तत्कालीन सहायक संचालक विनोद वर्मा ने 23 जून को एसटीआर फील्ड डायरेक्टर राखी नंदा को नौ बिंदुओं पर शिकायत भेजकर रेंजर के निलंबन की अनुशंसा की थी। आरोपों की पुष्टि के लिए फील्ड डायरेक्टर के निर्देश पर डिप्टी डायरेक्टर ऋषिभा नेताम ने दोबारा जांच कराई। पिपरिया के सहायक संचालक आशीष खोपरागड़े और एक रेंजर की जांच रिपोर्ट में शिकायत के कई बिंदु सही पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई। शिकायत में कहा गया था कि इको सेंसिटिव जोन के ग्राम धांसई में बिना विभागीय स्वीकृति के होम-स्टे का निर्माण कराया गया। इस संबंध में परिक्षेत्र अधिकारी को 23 फरवरी, 26 मार्च और 25 अप्रैल 2026 को पत्र लिखे गए, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, जिससे निर्माण पूरा हो गया। गौरतलब है कि जिन तत्कालीन सहायक संचालक विनोद वर्मा ने रेंजर के खिलाफ शिकायत भेजी थी, उन्हें शिकायत पत्र भेजने के अगले ही दिन 24 जून को एक अलग मामले में निलंबित कर दिया गया था। सोशल मीडिया पर सांभर के साथ फोटो और वीडियो वायरल होने के बाद विभाग ने उनके खिलाफ कार्रवाई की थी।

तालाब निर्माण और गहरीकरण में अनियमितता

जांच में भतौड़ी इको विकास समिति क्षेत्र के एक नवीन तालाब निर्माण में भी गंभीर गड़बड़ी सामने आई। स्वीकृति के अनुसार 2223 घनमीटर खुदाई होना थी, जबकि मौके पर केवल 1028 घनमीटर खुदाई मिली। पिचिंग कार्य भी निर्धारित मात्रा से कम पाया गया। इसके अलावा तालाब गहरीकरण कार्य में भी स्वीकृत 3637.74 घनमीटर के मुकाबले करीब 932 घनमीटर कार्य ही मिला। जांच में लगभग 2705 घनमीटर खुदाई कम पाए जाने से लाखों रुपये की वित्तीय अनियमितता की आशंका जताई गई है।

नगरपालिका के अतिक्रमण दल ने की कार्रवाई

गंदगी पर लगाया 3800 रुपए का जुर्माना

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सड़क किनारे मार्ग पर अतिक्रमण कर व्यवसाय करने वालों पर नगरपालिका के अतिक्रमण दल द्वारा उन्हें हटाकर जब्ती एवं जुर्माने की कार्रवाई गई। साथ ही गंदगी फैलाने वालों पर 3800 रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। इस दौरान सड़क मार्ग अवरूद्ध करने वालों को समझाइश भी दी गई। यह कार्रवाई नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं सीएमओ वैभव देशमुख के निर्देश पर कार्रवाई की जा रही है। अतिक्रमण दल के शेख सिकंदर ने बताया कि नेहरू पार्क से एसपी आफिस तिराहा, पुलिस लाइन, मीनाक्षी चौक से लेकर नारायण नगर की पुलिया आदि स्थानों से सड़क पर अवैध रूप से टपों को हटाया गया। साथ ही उन्हें जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान कैलाश कन्नौजिया, नितेश गौर, सतीष रघुवंशी उपस्थित रहे।

हिंदी सलाहकार समिति में पुनः सदस्य बनीं राज्यसभा सांसद माया नारोलिया

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

राज्यसभा सांसद माया नारोलिया को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति में पुनः सदस्य नामित किया गया है। मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार उन्हें हिंदी के प्रचार-प्रसार, राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन तथा हिंदी भाषा के विकास से जुड़े विषयों पर सुझाव और मार्गदर्शन देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हिंदी सलाहकार समिति केंद्र सरकार के मंत्रालयों में राजभाषा हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने और राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सुझाव देने का कार्य करती है। समिति में विभिन्न क्षेत्रों के जनप्रतिनिधियों और विशेषज्ञों को शामिल किया जाता है। श्रीमती नारोलिया के पुनः सदस्य बनाए जाने पर उनके समर्थकों और शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने इसे हिंदी भाषा के संवर्धन, राजभाषा नीति को मजबूती देने तथा हिंदी के व्यापक प्रचार-प्रसार की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय बताया है। समर्थकों ने विश्वास जताया कि उनके अनुभव का लाभ समिति के कार्यों और हिंदी के विकास में मिलेगा।

मेट्रो एंकर — सुरक्षा व यातायात व्यवस्था पर हुई संयुक्त बैठक में की चर्चा

भगवान जगदीश रथ यात्रा को लेकर पुलिस-प्रशासन अलर्ट

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नगर की ऐतिहासिक भगवान जगदीश रथ यात्रा को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन और आयोजन समितियों की संयुक्त बैठक थाने में आयोजित की गई। बैठक में रथ यात्रा मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, सीसीटीवी निगरानी तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में आयोजकों से अपील की गई कि रथ यात्रा प्रारंभ होने से समापन तक संपूर्ण यात्रा की ड्रोन के माध्यम से निगरानी कराई जाए तथा यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग किया जाए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष नगर में तीन प्रमुख रथ यात्राएं निकाली जाएंगी। पहली रथ यात्रा नौलखी आश्रम वेत्रवती घाट से, दूसरी बैदनखेड़ी स्थित जगदीश मंदिर से तथा तीसरी बरेठ रोड स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर से निकलेगी। तीनों यात्राओं में हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। बैठक में बताया गया कि वर्दीधारी पुलिस बल के साथ-साथ सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी भी भीड़ के बीच तैनात रहेंगे और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखेंगे। नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों की शांति समिति, सुरक्षा समिति के सदस्य, कोटवार और स्वयंसेवक भी व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग देंगे। आयोजकों को निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने रथों तथा प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाकर निगरानी सुनिश्चित करें, जिससे किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।

बैठक में एसडीओपी शिखा भलावी, सिटी थाना प्रभारी संजय बेदिया, देहात थाना प्रभारी जय कुमार सिंह, यातायात प्रभारी निरपत लोधी, जगदीश मंदिर की ओर से रोहित भावसार एवं एडवोकेट सुनील भावसार, नौलखी मंदिर समिति से विकास मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार देवेंद्र रघुवंशी सहित विभिन्न समितियों के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

न्यूज विंडो

22 दिन बाद फरार आरोपी पिता गिरफ्तार, कोर्ट में किया पेश

तेंदूखेड़ा। नगर में गत 23 जून को नगर के साप्ताहिक हाट बाजार में हुए चर्चित अतुल अहिरवार हत्याकांड में पुलिस को एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली है। घटना के बाद से फरार चल रहे आरोपी धीरेंद्र खटीक को पुलिस ने 22 दिन बाद गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 जून, मंगलवार को साप्ताहिक बाजार में हाथठेला किराए के पैसों को लेकर अतुल अहिरवार और विधि विरुद्ध बालक कार्तिक खटीक तथा उसके पिता धीरेंद्र खटीक के बीच विवाद हो गया था। विवाद के दौरान विधि विरुद्ध बालक कार्तिक ने चाकू से अतुल अहिरवार पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई थी। घटना के बाद तेंदूखेड़ा थाना पुलिस ने हत्या का अपराध पंजीबद्ध कर जांच प्रारंभ की थी। घटना के दूसरे ही दिन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विधि विरुद्ध बालक कार्तिक को अभिरक्षा में लेकर कर बाल न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया था। वहीं, घटना के बाद से उसका पिता धीरेंद्र खटीक लगातार फरार चल रहा था। पुलिस उसकी तलाश में लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। नगर निरीक्षक सरोज सिंह ठाकुर ने बताया कि फरार आरोपी धीरेंद्र खटीक को पुलिस ने 22 दिन बाद गिरफ्तार कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी की और उसे न्यायालय में पेश कर दिया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में पुलिस द्वारा सभी पहलुओं की जांच नियमानुसार की गई तथा आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई लगातार जारी है।

श्रमजीवी पत्रकार संघ का अनूपपुर जिला सम्मेलन कल

अनूपपुर। 16 जुलाई गुरुवार को अनूपपुर जिला मुख्यालय स्थित धनश्री पैलेस में प्रातः 11 बजे से मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया, मध्यप्रदेश शासन के स्वतंत्र प्रभार मंत्री दिलीप जायसवाल, शहडोल सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह, अजजा आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल, मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री बिसाहूलाल सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह , पुष्पराजगढ विधायक फुन्देलाल सिंह, कलेक्टर हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी, पूर्व विधायक मनोज अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष हीरासिंह श्याम के साथ गणमान्य नागरिक और श्रमजीवी पत्रकार गणों की उपस्थिति मे जिला स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। संघ के जिलाध्यक्ष राजेश पयासी ने बतलाया कि अतिथियों , विशिष्ट आतिथियों , गणमान्य नागरिकों , पत्रकारों की गरिमामयी उपस्थिति मे जिला स्तरीय पत्रकार सम्मेलन सोशल मीडिया और वर्तमान पत्रकारिता जैसे ज्वलंत और गंभीर विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन भी किया जा रहा है। इस विचारगोष्ठी मे मंचासीन अतिथियों के सार गर्भित विचारों को सुनने, समझने का महत्वपूर्ण अवसर जिले के पत्रकारों के सामने होगा। पयासी ने बतलाया कि प्रदेश अध्यक्ष श्री शलभ भदौरिया 15 जुलाई की प्रातः नर्मदा एक्सप्रेस से अनूपपु जाएंगे। राजकुमार दुबे, मो अली,प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज द्विवेदी, मेंहदी हसन, शहडोल संभाग अध्यक्ष अजीत मिश्रा के साथ जिला मुख्यालय के वरिष्ठ पत्रकारों के साथ सर्किट हाऊस मे दोपहर भोजन उपरांत कार्यक्रम की तैयारियां की समीक्षा करेगे तथा रात्रि विश्राम उपरांत अगले दिन गुरुवार 16 जुलाई को जिला सम्मेलन मे शामिल होंगे।

पैसों के विवाद में पुत्र ने पिता की हत्या कर छिपाया था शव, भेजा जेल

सागर. पैसों के विवाद में अपने ही पिता की हत्या कर शव को घास के नीचे छिपाने वाले आरोपी पुत्र को थाना विनायका पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में केंद्रीय जेल सागर भेज दिया गया। गत 13 जुलाई को फरियादिया जगरानी रावत, पत्नी स्व. खज्जू रावत, उम्र 70 वर्ष, निवासी ग्राम पिथौली, थाना विनायका ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके पति खज्जू रावत घर से निकले थे, जिन्हें उनका पुत्र फूल सिंह उर्फ फुल्लू रावत अपने साथ ले गया था। इसके बाद से वे वापस नहीं लौटे। कुछ समय बाद उनका शव गांव के समीप स्थित एक टपरिया में घास के नीचे दबा हुआ मिला। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हुआ कि किसी भारी एवं वजनदार वस्तु से प्रहार कर उनकी हत्या की गई है। रिपोर्ट पर थाना विनायका में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना प्रभारी विनायका के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। टीम द्वारा मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर तकनीकी एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों की तलाश प्रारंभ की गई। तलाश के दौरान आरोपी फूल सिंह उर्फ फुल्लू रावत, पिता खज्जू रावत, उम्र 35 वर्ष, निवासी ग्राम पिथौली, थाना विनायका को जंगल क्षेत्र से अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने पैसों के विवाद के चलते अपने पिता की हत्या करना तथा शव को टपरिया में घास के नीचे छिपा देना स्वीकार किया। आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में केंद्रीय जेल, सागर भेज दिया गया।

ड्यूटी के दौरान लापरवाही करने पर छात्रावास कर्मचारियों को नोटिस

सागर। कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देश पर तिली स्थित पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास के तीन छात्रावास कर्मचारियों चौकीदार अमित रैकवार, रसोईया देवेन्द्र गौड़ एवं जलवाहक रविन्द्र अहिरवार द्वारा ड्यूटी के दौरान लापरवाही करने पर डिप्टी कलेक्टर प्रभारी सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण ने कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जारी कारण बताओ नोटिस के अनुसार छात्रावास कर्मचारियों द्वारा अपने शासकीय दायित्वों के प्रति अत्यधिक लापरवाह और उदासीनता बरती गई। साथ ही पाया गया कि उक्त कर्मचारियों की ड्यूटी के दौरान छात्रावास परिसर में बाहरी और अनाधिकृत व्यक्तियों का अवैध प्रवेश होता है, जो छात्रों की सुरक्षा के लिहाज से घोर लापरवाही है। इसी प्रकार उक्त कर्मचारी नियत समय में छात्रावास में उपस्थित नहीं होते तथा विभागीय कार्यों और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों को गंभीरता से नहीं लेते।

ग्राम पंचायतों में रोजगार नहीं मिलने से दूसरे शहर जाते हैं मजदूर

जिम्मेदार मौन... मालवाहकों में बैखौफ ढोए जा रहे हैं ग्रामीण क्षेत्रों के मजदूर

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

अपने परिवार का भरण पोषण करने के लिए मजदूर वर्ग परेशान हैं और रोजगार की तलाश में वह जान जोखिम में डालने से भी परहेज नहीं करते हैं। जिले में रोजगार न मिलने के कारण ग्रामीणजन महानगरों में पलायन करते हैं लेकिन प्रशासन के आला अधिकारियों द्वारा पलायन न करने की बात कहीं जाती है।

तेंदूखेड़ा तहसील के अनेक ग्रामों के मजदूर रोजगार की तलाश में दूसरे शहरों को जाने के लिए मजबूर हो रहे हैं और उनके पास किराया के लिए पर्याप्त पैसे न होने के कारण उन्हें मजबूरीवश मालवाहको से यात्रा करना पड़ रहा है। वहीं इन मालवाहकों में क्षमता से अधिक वजन होने के कारण इससे कभी भी बड़ा हादसा घटित हो सकता है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की इस ओर नजर तक नहीं जा रही है। तेंदूखेड़ा में गत दिवस सुबह करीब 8 बजे से लेकर 10 बजे तक 100 से अधिक मालवाहकों से मजदूरों को ढोते हुए देखा गया। पलायन करने वाले मजदूरों से जब बात की तो उन्होंने बताया कि उनके पास खेती के लिए पर्याप्त जमीन नहीं है और परिवार के पालन पोषण के लिए पर्याप्त मजदूरी भी प्राप्त नहीं हो रही है।

इसके अलावा उन्हें शासन द्वारा भी कोई सुविधा प्रदान नहीं की जा रही है जिस कारण से परिवार का भरण पोषण करने के लिए दूसरे प्रदेशों में जाना पड़ रहा है। उनका आरोप है कि जी राम जी योजना के तहत ग्राम पंचायतों में होने वाले कार्य मशीनों से करवा दिए जाते हैं और फर्जी मस्टर लगाकर राशि आहरित कर ली जाती है जबकि जी राम जी योजना के तहत 125 दिन रोजगार देने की योजना है लेकिन जमीनी स्तर पर 10 दिन भी लोगों को रोजगार उपलब्ध नहीं हो रहा है। इस संबंध में जब तेन्दूखेड़ा एसडीओपी अर्चना अहीर से बात करने के लिए संपर्क किया गया तो उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया। इस संबंध में तेंदूखेड़ा एसडीएम सीजी गोस्वामी ने कहा मै ओवरलोडिंग वाहन के संबंध में थाना प्रभारी से बात करता हूं। अगर ग्राम पंचायतों में लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है और मशीनों से कार्य कराए जा रहे हैं मैं जांच करवाता हूं।

अधिकांश गांवों से कर रहे पलायन

पलायन करने वाले मजदूर राहुल केवट, पुष्पा बाई, गौरा बाई, अमन केवट, संजय ठाकुर, रामकुमार सिंह, मनोज गौड़ ने बताया कि वह ग्राम में काम मांगने के लिए अधिकारियों के समक्ष जाते है, लेकिन उनके द्वारा न तो उनकी बात को ठीक से सुना जाता है और न ही उन्हें रोजगार के लिए ध्यान दिया जाता है। यदि किसी को काम दिलाया भी जाता है तो उसे भी केवल 1 से 3 दिन के लिए ही काम दिया जाता है। इससे उनके परिवार का ठीक तरीक से भरण पोषण नहीं हो पाता है जिस कारण से उन्हें मजदूरी करने दूसरे प्रदेशों में जाना पड़ता है। गौरतलब है कि तेंदूखेड़ा तहसील में 62 पंचायतें है। इनके अधिकांश गांव में पलायन की स्थिति है और किसी-किसी गांव में आधे से अधिक आबादी पलायन कर चुकी है।

वाहन में बैठे थे 70 मजदूर

मंगलवार की सुबह साढ़े 9 बजे से 10 बजे के बीच तेंदूखेड़ा के विभिन्न मार्गों पर 80 से 100 मालवाहकों को जाते देखा गया और प्रत्येक वाहन में क्षमता से अधिक भार था किसी-किसी वाहन में तो 60 से 70 मजदूर बैठे थे कुछ मजदूर बाहर भी लटके दिखे। जिन्हें देखकर लगा यदि वाहन के साथ कोई हादसा हो गया तो कईयों की जान पर बन आएंगी। हालांकि ये नजारा हर दिन के हैं गौर करने वाली बात ये है कि मालवाहकों में मजदूरों को ढोए जाने के संबंध में पुलिस, आरटीओ से लेकर प्रशासन के अधिकारियों को जानकारी है, लेकिन किसी ने भी कार्रवाई करने की जहमत नहीं उठाई है।

जुर्माने का प्रावधान

जानकारों का कहना है कि यात्री वाहनों एवं मालवाहकों में ओवरलोडिंग पर मोटर व्हीकल एक्ट में जुर्माने का प्रावधान है, लेकिन जांच अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं देते हैं। जानकारों के अनुसार मजदूरों को ढोने वाले 90 प्रतिशत मालवाहनों के पास तो फिटनेस का प्रमाण पत्र तक नहीं है। खटारा वाहनों में लोगों को ढोना खतरे का सबब हो गया है। इसके अलावा जब-जब सड़क हादसों की बात सुर्खियों में होती है जब जिम्मेदार अधिकारी औपचारिकता निभाकर अपने दायित्वों से पूरा कर लेते हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार लगातार अनदेखी करते रहते हैं, जिसके चलते हमेशा दुर्घटना की आशंका रहती है।

सीसीएफ के बाद सेशन कोर्ट से भी आरोपी की अपील खारिज

बहेरा के अवैध परिवहन में जब्त टाटा 407 वाहन राजसात, सेशन कोर्ट ने लगाई अंतिम मुहर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वन विभाग द्वारा वर्ष 2023 में बहेरा के अवैध परिवहन के मामले में जब्त किए गए टाटा 407 वाहन को सेशन न्यायालय सागर द्वारा अंतिम रूप से राजसात किए जाने का आदेश पारित किया गया है। यह प्रकरण वन विभाग की प्रभावी कार्रवाई एवं अवैध वन उपज के परिवहन के विरुद्ध की जा रही सख्त कानूनी कार्रवाई का महत्वपूर्ण उदाहरण माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, 19 नवंबर 2023 को वन परीक्षेत्र तेंदूखेड़ा अंतर्गत हाथीडोल क्षेत्र में मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर वन अमले ने कार्रवाई करते हुए तेंदूखेड़ा की ओर आ रहे एक टाटा 407 ट्रक को रोकने का प्रयास किया। वन विभाग की कार्रवाई के दौरान चालक एवं अन्य लोग वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए। वन अमले ने वाहन को अपने कब्जे में लेकर जांच की, जिसमें 145 बोरियों में लगभग 53 क्विंटल बहेरा भरा हुआ मिला। परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर वन अधिनियम के प्रावधानों के तहत अपराध क्रमांक 355/19 दर्ज कर वाहन एवं वन उपज को जब्त कर लिया गया। जांच के दौरान वाहन के स्वामी की पहचान वार्ड क्रमांक 8, तेंदूखेड़ा निवासी राकेश जैन (उम्र 45 वर्ष) के रूप में हुई। निर्धारित विधिक प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत उपवन मंडल अधिकारी कार्यालय द्वारा वाहन को राजसात कर दिया गया। इसके विरुद्ध वाहन स्वामी द्वारा मुख्य वन संरक्षक सीसीएफ, सागर के समक्ष अपील प्रस्तुत की गई, जिसे निरस्त कर दिया गया। इसके बाद वाहन स्वामी ने सेशन न्यायालय, सागर में अपील दायर की। न्यायालय द्वारा 10 जुलाई 2026 को पारित आदेश में वाहन को अंतिम रूप से राजसात किए जाने के आदेश को बरकरार रखा गया। इनका कहना-- वन परीक्षेत्र अधिकारी श्रेयांश जैन ने बताया कि यह राजसात का एक महत्वपूर्ण प्रकरण है, जिससे अवैध वन उपज के परिवहन के विरुद्ध विभाग की कार्रवाई को कानूनी मजबूती मिली है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में ऐसे कई अन्य वाहन भी राजसात की प्रक्रिया एवं न्यायालयीन सुनवाई के अधीन हैं। न्यायालय के अंतिम आदेश के बाद संबंधित वाहन का उपयोग विभागीय कार्यों में किया जाना अथवा नियमानुसार उसकी नीलामी की प्रक्रिया प्रारंभ करना सक्षम अधिकारियों के निर्णय एवं विभागीय अनुमति पर निर्भर करेगा।

कटनी में पुलिस ने की कार्रवाई

अवैध नकली गुटखा फैक्ट्री का भंडाफोड़, किया सील

कटनी। दोपहर मेट्रो

कटनी जिले में नकली उत्पाद बनाने वालों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए देर शाम माधवनगर थाना क्षेत्र में संचालित एक अवैध नकली गुटखा फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने मौके से लहर ब्रांड के भारी मात्रा में नकली गुटखा, तंबाकू-मसाला, पैकिंग मशीनें और हजारों खाली रैपर जब्त किए हैं। कार्रवाई के दौरान फैक्ट्री संचालक निलेश पाहुजा को गिरफ्तार कर फैक्ट्री सील की गई।

युवक ने पेड़ से लगाई फांसी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम मोहड़ में एक युवक द्वारा अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने का घटनाक्रम सामने आया है। सूचना मिलते ही तेंदूखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल कर शव को पेड़ से नीचे उतारा गया और पोस्टमार्टम हेतु तेन्दूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार पुष्पेन्द्र पिता पंचम सिंह लोधी उम्र 20 वर्ष निवासी मोहड़ थाना तेंदूखेड़ा है जो मंगलवार की दोपहर करीब 2 बजे के आसपास घर से खाना खाकर अपने खेत गया था, लेकिन शाम साढ़े 4 बजे पुष्पेंद्र का शव खेत में लगे आम के पेड़ से खेती की सुरक्षा में लगाने वाले झटका तार से लटकते हुए मिलने से पूरे गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही खेत पहुंचे परिजनों ने बताया कि पुष्पेंद्र खेतों में खाद लेकर गया था और खाद डालने की बोल रहा था लेकिन पता किस कारणों से यह कदम उठाया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर शव को पोस्टमार्टम के लिए तेन्दूखेड़ा लाया गया लेकिन देर-रात हो जाने के कारण पोस्टमार्टम नहीं हो सका जहां बुधवार की सुबह पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया।

देवास में हाईवे किनारे से चंदन के पेड़ काटे, किसान ने की सुरक्षा की मांग

देवास। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में चंदन तस्करों की सक्रियता बढ़ रही है। जानकारी के अनुसार देवास जिले में चंदन तस्करों की सक्रियता के रूप में घटनाएं सामने आई हैं। हाईवे किनारे स्थित एक खेत से बीते पांच दिनों के भीतर अज्ञात बदमाश पांच चंदन के पेड़ काटकर ले गए। लाखों रुपये कीमत के पेड़ों की चोरी के बाद किसान ने पुलिस से शिकायत कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

गुप्त नवरात्र: अब 9 दिनों तक तांत्रिक साधकों का जमावड़ा

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से बुधवार, 15 जुलाई से गुप्त नवरात्र की शुरुआत हो गई। इस बार गुप्त नवरात्र पुष्य नक्षत्र, हर्षल योग और कर्क राशि के चंद्रमा की साक्षी में बन रहे गजकेसरी योग में प्रारंभ हो रहे हैं, जिससे इसका धार्मिक महत्व और बढ़ गया है। मध्यप्रदेश के उज्जैन, नलखेड़ा और दतिया में 9 दिनों तक तांत्रिक साधकों का विशेष जमावड़ा रहेगा। उज्जैन के चक्रतीर्थ और ओखलेश्वर श्मशान, विक्रांत भैरव मंदिर, भैरवगढ़, नलखेड़ा के मां बगलामुखी मंदिर तथा दतिया के मां पीतांबरा पीठ में देशभर से साधक तंत्र साधना के लिए पहुंचेंगे। वहीं, 51 शक्तिपीठों में शामिल उज्जैन के हरसिद्धि मंदिर में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजन के लिए आएंगे।

मेट्रो एंकर

AI से बनाया महाकाल मंदिर का फर्जी पास!

गर्भगृह में घुसने पहुंचे तीन युवक, सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ा

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

टेक्नोलॉजी का गलत इस्तेमाल कहां तक ले जा सकता है, इसका एक मामला महाकाल मंदिर में सामने आया। कथित तौर पर ChatGPT की मदद से तैयार किए गए फर्जी गर्भगृह दर्शन पास के जरिए मंदिर में प्रवेश करने पहुंचे तीन युवकों को सुरक्षा कर्मियों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

आज सुबह भोपाल से आए भरत उइके (20), निवासी कोलार रोड, अपने दो नाबालिग दोस्तों के साथ महाकाल मंदिर पहुंचे। तीनों के मोबाइल में गर्भगृह दर्शन का पास था। शीघ्र दर्शन लाइन से प्रवेश के दौरान निजी सुरक्षा कंपनी के एसओ मनोजकरण राजपूत को पास देखकर संदेह हुआ। उन्होंने मंदिर समिति के कंप्यूटर ऑपरेटर से पास का क्यूआर कोड स्कैन कराया, जिसमें पास फर्जी निकला। इसके बाद कुछ देर के लिए मंदिर परिसर में हड़कंप मच गया।

बताया गया कि फर्जी पास में क्यूआर कोड, आधार फोटो, एंट्री पास, नाम, मोबाइल नंबर, टाइप ऑफ विजिट, पेमेंट टाइप, तारीख और समय, ट्रांजेक्शन आईडी, रजिस्ट्रेशन नंबर और गेट नंबर जैसी सभी जानकारियां दर्ज थीं। पहली नजर में यह पूरी तरह असली प्रतीत हो रहा था, लेकिन स्कैन करते ही इसकी सच्चाई सामने आ गई। एसओ मनोजकरण राजपूत और उनके सहयोगी गोपाल तीनों युवकों को सहायक प्रशासक शिवकांत पांडेय के पास ले गए। इसके बाद मंदिर समिति के कर्मचारी कुलदीप सिंह ने शिकायत देकर तीनों को महाकाल थाना पुलिस के हवाले कर दिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक शर्मा ने बताया कि मंदिर समिति की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

गर्भगृह प्रवेश बंद होने से बढ़ा शक

जांच में यह भी सामने आया कि फर्जी पास गर्भगृह प्रवेश के लिए बनाया गया था, जबकि वर्षों से महाकाल मंदिर के गर्भगृह में सामान्य श्रद्धालुओं का प्रवेश बंद है। इसी वजह से सुरक्षा कर्मियों को पास देखकर संदेह हुआ और सत्यापन के दौरान पूरा मामला सामने आ गया।

भेदभाव पर लिखी भावुक दास्तां

क्रिकेटर नहीं, सिर्फ मुस्लिम बनकर रह गया था मैं, उस्मान ख्वाजा का दर्द छलका

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी टेस्ट क्रिकेटर उस्मान ख्वाजा ने अपने जीवन के उन कठिन अनुभवों को साझा किया है, जिनका सामना उन्हें मुस्लिम होने की वजह से करना पड़ा। ब्रिटिश अखबार द गार्जियन में प्रकाशित एक भावुक लेख में ख्वाजा ने लिखा कि एक समय ऐसा आ गया था, जब लोग उनके क्रिकेट प्रदर्शन की बजाय उनकी धार्मिक पहचान पर ज्यादा चर्चा करने लगे। उन्होंने कहा कि क्रिकेट के मैदान पर प्रदर्शन ही पहचान बनाता है, लेकिन वास्तविक जीवन में धर्म और नस्ल के आधार पर लोगों को अलग नजर से देखा जाता है।

क्रिकेट में सिर्फ रन मायने रखते हैं, लेकिन जिंदगी इतनी निष्पक्ष नहीं

ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले पहले मुस्लिम क्रिकेटर ख्वाजा ने लिखा कि क्रिकेट की सबसे बड़ी खूबी उसकी निष्पक्षता है। स्कोरकार्ड केवल यह बताता है कि बल्लेबाज ने कितने रन बनाए, कितनी देर क्रीज पर रहा और टीम जीती या हारी। वहां धर्म, रंग या जन्मस्थान का कोई महत्व नहीं होता। लेकिन मैदान के बाहर कई बार उन्हें यह एहसास कराया गया कि वे बाकी लोगों से अलग हैं। उन्होंने बताया कि पश्चिमी सिडनी में बचपन के दौरान उनके सांवले रंग और मुस्लिम पहचान को लेकर कई बार ताने सुनने पड़े। उनके मुताबिक, नस्लभेद हमेशा खुले तौर पर दिखाई नहीं देता, बल्कि कई बार लोगों के व्यवहार से यह एहसास होता है कि मानो आप इस समाज का हिस्सा नहीं हैं।

राष्ट्रीय टीम में पहुंचने के बाद भी नहीं बदली स्थिति

ख्वाजा ने लिखा कि उन्हें उम्मीद थी कि राष्ट्रीय टीम में जगह मिलने के बाद केवल उनके खेल की बात होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि पहले लोग उनकी बल्लेबाजी, ओपनिंग या नंबर-3 पर खेलने को लेकर चर्चा करते थे, जो उन्हें स्वीकार था क्योंकि वह खेल का हिस्सा था। लेकिन बाद में उनकी पहचान एक क्रिकेटर से ज्यादा एक मुस्लिम के रूप में होने लगी। उनके शब्दों में, ÷क्रिकेटर कहीं पीछे छूट गया और सामने सिर्फ

क्राइस्टचर्च हमले ने सोच बदल दी

ख्वाजा ने 2019 में न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च की दो मस्जिदों पर हुए आतंकी हमले को अपनी सोच बदलने वाला क्षण बताया। उन्होंने कहा कि नफरत अचानक हिंसा में नहीं बदलती, बल्कि इसकी शुरुआत पूर्वाग्रह, भेदभाव और कटु शब्दों से होती है। इसी कारण उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में चलाए जा रहे रिपोर्टिंग इस्लामोफोबिया अभियान का समर्थन किया और मुस्लिम विरोधी घटनाओं की रिपोर्टिंग को जरूरी बताया। ख्वाजा ने यह भी बताया कि उनकी पत्नी, जिन्होंने इस्लाम धर्म अपनाया, उन्हें भी धार्मिक नफरत का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि उनका सपना है कि आने वाली मुस्लिम पीढ़ी को कभी यह महसूस न करना पड़े कि वे अपने ही देश में बाहरी हैं।

बर्मिंघम वनडे में भारत की जीत: कैप्टन गिल का जलवा, बापू अक्षर का ऑलराउंड शो...

एजबेस्टन में टीम इंडिया ने हिलाया इंग्लैंड का किला

बर्मिंघम , एजेंसी

भारतीय टीम ने मंगलवार को एजबेस्टन (बर्मिंघम) में खेले गए पहले वनडे में इंग्लैंड को छह विकेट से हराकर सिर्फ सीरीज में 1-0 की बढ़त ही नहीं बनाई, बल्कि कई बड़े रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिए। कप्तान शुभमन गिल की 80 रन की कप्तानी पारी और अक्षर पटेल के ऑलराउंड प्रदर्शन ने भारत को यादगार जीत दिलाई।

259 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 45।2 ओवर में चार विकेट खोकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। गिल ने 75 गेंदों पर 80 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और एक छक्का शामिल था। हालांकि वह क्रैम्प और हैमस्ट्रिंग में परेशानी के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गए। इसके बाद

अक्षर पटेल (57*) और वॉशिंगटन सुंदर (52*) ने पांचवें विकेट के लिए नाबाद 102 रन जोड़कर जीत सुनिश्चित कर दी। इससे पहले इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने शानदार वापसी करते हुए मेजबान टीम को 61/0 से 107/6 पर पहुंचा दिया। बाद में जो रूट (76*) और लियाम डॉसन (68) ने सातवें विकेट के लिए 121 रन जोड़कर स्कोर 258 तक पहुंचाया। भारत की ओर से अक्षर पटेल ने चार विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बराड़ ने दो-दो विकेट झटके।

11 साल बाद एजबेस्टन में इंग्लैंड की हार

2015 के बाद एजबेस्टन में इंग्लैंड ने लगातार आठ वनडे जीते थे। इस मैदान पर आखिरी बार उसे 2014 में भारत ने हराया था। अब 2026 में फिर भारत ने ही यह सिलसिला तोड़ा।

इंग्लैंड पर लगातार छठी वनडे जीत: वनडे क्रिकेट में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की यह लगातार छठी जीत है। किसी भी समय इंग्लैंड के खिलाफ भारत की यह सबसे लंबी जीत की लड़ी है।

गिल का एजबेस्टन कनेक्शन: पिछले साल इसी मैदान पर टेस्ट में 269 और 161 रन बनाने वाले शुभमन गिल ने इस बार वनडे में भी 80 रन की कप्तानी पारी खेलकर साबित कर दिया कि एजबेस्टन उनका पसंदीदा मैदान बन चुका है।

अक्षर का दमदार जवाब: टी20 सीरीज में आलोचना झेलने वाले अक्षर पटेल ने गेंद से 4 विकेट लिए और फिर नाबाद 57 रन बनाकर मैच के सबसे बड़े नायकों में जगह बनाई।

यूके दौरे की पहली जीत: इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ निराशाजनक टी20 अभियान के बाद मौजूदा यूनाइटेड किंगडम दौरे पर भारत की यह पहली जीत है, जिसने टीम का आत्मविश्वास बढ़ाया है।

फीफा विश्व कप 2026 : स्पेन का गोल्डन मिशन जारी

फ्रांस को 2-0 से रौंदकर 16 साल बाद वर्ल्ड कप फाइनल में धमाकेदार एंट्री

डलास, एजेंसी

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रांस को 2-0 से हराकर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया। डलास के एटीएंडटी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में स्पेन ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और दोनों हाफ में एक-एक गोल दागकर फ्रांस की उम्मीदों पर विराम लगा दिया। इस जीत के साथ स्पेन 2010 के बाद पहली बार फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंचा है और अब दूसरी बार विश्व चैंपियन बनने से सिर्फ एक कदम दूर है। अब 20 जुलाई को न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में होने वाले फाइनल में स्पेन का सामना अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच 16 जुलाई को खेले जाने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। पूरे टूर्नामेंट में स्पेन का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है। टीम लगातार 37 मैचों से अजेय है और विश्व कप के सात मुकाबलों में सिर्फ एक गोल खाया है। मैच की शुरुआत से ही स्पेन ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और फ्रांस की डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया। इसका फायदा उसे 22वें मिनट में मिला, जब फ्रांस के डिफेंडर लुकास डिन्ये ने युवा स्टार लामिन यमाल को पेनल्टी बॉक्स के अंदर फाउल कर दिया। रेफरी ने बिना देर किए पेनल्टी का इशारा किया। स्पेन के अनुभवी स्ट्राइकर मिकेल ओयार्जाबेल ने कोई गलती नहीं की और गेंद को शानदार तरीके से गोलपोस्ट में भेजते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

पोरो ने फ्रांस की उम्मीदों पर लगाया विराम

दूसरे हाफ में फ्रांस ने आक्रामक शुरुआत की, लेकिन स्पेन की अनुशासित डिफेंस ने उसे कोई बड़ा मौका नहीं दिया। 58वें मिनट में स्पेन ने तेज काउंटर अटैक खेला। डैनियल ओल्मो ने बेहतरीन थ्रू पास देकर पेड्रो पोरो को गोल करने का सुनहरा मौका दिया। पोरो ने शांत दिमाग से शानदार फिनिश करते हुए गेंद को नेट में पहुंचा दिया और स्पेन की बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद फ्रांस ने कई बदलाव किए और लगातार हमले किए, लेकिन स्पेन की मजबूत रक्षापंक्ति के सामने उसकी एक भी रणनीति सफल नहीं हो सकी। 2018 की विश्व चैंपियन और 2022 की उपविजेता फ्रांस इस टूर्नामेंट में बेहतरीन फॉर्म में थी। सेमीफाइनल तक उसने छह मैचों में 16 गोल किए थे और केवल दो गोल खाए थे। हालांकि, स्पेन के खिलाफ फ्रांस की आक्रामक लाइन पूरी तरह बेअसर नजर आई। कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने दूसरे हाफ में कई बदलाव किए, लेकिन टीम लय हासिल नहीं कर सकी।

अब खिताब से सिर्फ एक कदम दूर स्पेन

2010 में पहली बार विश्व कप जीतने वाली स्पेनिश टीम अब 16 साल बाद फिर से विश्व फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर खिताब जीतने के बेहद करीब पहुंच गई है। लगातार 37 मैचों से अजेय स्पेन ने इस विश्व कप में अपने संतुलित आक्रमण और अभेद्य रक्षा से सभी टीमों को प्रभावित किया है। अब पूरी दुनिया की निगाहें 20 जुलाई को मेटलाइफ स्टेडियम में होने वाले फाइनल पर होंगी, जहां स्पेन अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ेगा। यदि स्पेन फाइनल जीतने में सफल रहता है तो वह 2010 के बाद दूसरी बार फीफा विश्व कप ट्रॉफी अपने नाम कर इतिहास रच देगा।

एशियन गेम्स से पहले ग्लासगो में होगी असली परीक्षा

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष 400 मीटर धावकों का मानना है कि आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पदक जीतना इस साल होने वाले एशियन गेम्स की तुलना में अधिक कठिन होगा। उनका कहना है कि ग्लासगो में मिलने वाली कड़ी प्रतिस्पर्धा एशियन गेम्स से पहले खुद को परखने का बेहतरीन अवसर साबित होगी। 23 जुलाई से शुरू हो रहे कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत 32 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम उतारेगा। इसके लगभग दो महीने बाद एशियन गेम्स का आयोजन होगा।

पुरुष 400 मीटर और मिश्रित 4×400 मीटर रिले में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले विशाल थेन्नारासु कयालविझी ने कहा कि ग्लासगो में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसे मजबूत देशों के धावकों की मौजूदगी भारतीय एथलीटों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा, कॉमनवेल्थ गेम्स कठिन है, लेकिन अगर हम अच्छी तैयारी करें तो पदक जीतना संभव है। कोई भी बड़ा टूर्नामेंट आसान नहीं होता, चाहे वह एशियन गेम्स हो या कॉमनवेल्थ गेम्स। मेरे लिए यह खुद को साबित करने का बड़ा मौका है और मैं वहां अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करूंगा। 22 वर्षीय विशाल फिलहाल सरकार की ओर से प्रायोजित 45 दिन के अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर के लिए पोलैंड के स्पाला रवाना हुए हैं। 60 सदस्यीय भारतीय दल में 41 खिलाड़ी और 19 कोच व सपोर्ट स्टाफ शामिल हैं। विशाल ने कहा कि ग्लासगो में उनका पहला लक्ष्य दोनों स्पर्धाओं में अपना पर्सनल बेस्ट टाइम हासिल करना होगा।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

यादों में घुला प्यार...

धक-धक गर्ल ने पति संग शेयर किए खास पल, तस्वीरों ने जीता फैंस का दिल

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित ने एक बार फिर अपनी खूबसूरत तस्वीरों और भावुक संदेश से प्रशंसकों का दिल जीत लिया। मंगलवार को अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पति डॉ. श्रीराम नेने के साथ कुछ यादगार तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों के जरिए उन्होंने यह एहसास भी साझा किया कि जिंदगी के सबसे खूबसूरत पल वही होते हैं, जिन्हें किसी अपने के साथ जिया जाए।

माधुरी ने तस्वीरों के साथ लिखा, कुछ पल इसलिए खास होते हैं, क्योंकि वे हम किसी अपने के साथ बिताते हैं। उनका यह संदेश सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस इसे प्यार, अपनापन और रिश्तों की खूबसूरती का प्रतीक बता रहे हैं। शेयर की गई तस्वीरों में

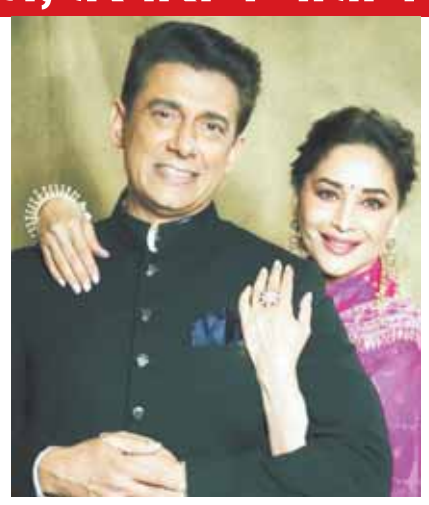

माधुरी गुलाबी रंग की खूबसूरत साड़ी में बेहद आकर्षक नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में वह कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए सोलो पोज देती दिख रही हैं, जबकि कई कैंडिड तस्वीरों में उनका सहज और ग्रेसफुल अंदाज देखने को मिलता है।

एल्बम की सबसे खास तस्वीरें वे हैं, जिनमें माधुरी अपने पति डॉ. श्रीराम नेने के साथ रोमांटिक अंदाज में नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में दोनों मुस्कुराते हुए कैमरे की ओर देख रहे हैं, तो दूसरी तस्वीर में माधुरी पीछे से अपने पति को गले लगाकर प्यार जताती दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं और दोनों की जोड़ी को परफेक्ट कपल बता रहे हैं।

मां बहन में अलग अंदाज में दिखीं माधुरी

वर्कफ्रंट की बात करें तो माधुरी दीक्षित हाल ही में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई डार्क क्राइम-कॉमेडी फिल्म मां बहन में नजर आई हैं। फिल्म में उन्होंने रेखा नाम की एक मध्यमवर्गीय मां की भूमिका निभाई है, जिसकी दो बेटियां जया और सुषमा हैं। जया का किरदार तृप्ति डिमरी और सुषमा का किरदार धरना दुर्गा ने निभाया है। फिल्म में रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देते हैं।

मेट्रो बाजार

भारत में डेटा सेंटर की बढ़ती मांग से रोजगार में आएगा उछाल, 2030 तक 1 लाख इंजीनियरों की होगी

नई दिल्ली। भारत का तेजी से बढ़ता डेटा सेंटर उद्योग आने वाले वर्षों में देश के सबसे बड़े रोजगार सृजक क्षेत्रों में शामिल हो सकता है। एक नई रिपोर्ट में मंगलवार को कहा गया कि वर्ष 2030 तक इस क्षेत्र में करीब 1 लाख कुशल पेशेवरों (स्किल्ड प्रोफेशनल्स) की आवश्यकता होगी। एनएलबी सर्विसेज की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की स्थापित डेटा सेंटर क्षमता मौजूदा लगभग 1.5 गीगावाट (जीडब्ल्यू) से बढ़कर दशक के अंत तक 6.5 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान है। वहीं, देश का डेटा सेंटर बाजार 22 अरब डॉलर से अधिक का हो सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस क्षेत्र में अब तक 126 अरब डॉलर से अधिक के निवेश की प्रतिबद्धताएं हो चुकी हैं। यही वजह है कि डेटा सेंटर उद्योग भारत के सबसे तेजी से बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टरों में शामिल हो गया है। हालांकि, विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि शिक्षा संस्थान, उद्योग और नीति-निर्माता मिलकर भविष्य के अनुरूप कुशल कार्यबल तैयार नहीं करते हैं, तो कौशल की कमी (स्किल गैप) इस क्षेत्र की तेज रफ्तार वृद्धि में बड़ी बाधा बन सकती है। एनएलबी सर्विसेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सचिन अलुग ने कहा कि भारत में डेटा सेंटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार केवल एक बुनियादी ढांचा परियोजना नहीं, बल्कि देश के युवाओं के लिए राष्ट्र निर्माण का बड़ा अवसर है।

तुम्बाड 2 में दिखेगा आलिया भट्ट का जादू... रहस्यमयी दुनिया का बनीं नया चेहरा

मुंबई। भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित कल्ट फिल्मों में शामिल तुम्बाड के बहुप्रतीक्षित सीक्वल तुम्बाड 2 को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट आधिकारिक तौर पर इस फिल्म का हिस्सा बन गई हैं। इस घोषणा के बाद आलिया ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वह वर्षों से तुम्बाड की अनोखी और रहस्यमयी दुनिया से प्रभावित रही हैं और अब उसी कहानी का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद रोमांचक अनुभव है।

आलिया ने कहा कि कुछ फिल्में केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि दर्शकों के मन में लंबे समय तक अपनी छाप छोड़ जाती हैं। उनके अनुसार, तुम्बाड ऐसी ही एक फिल्म है, जिसने अपनी अलग कहानी, माहौल और प्रस्तुति के दम पर भारतीय सिनेमा में खास पहचान बनाई है।

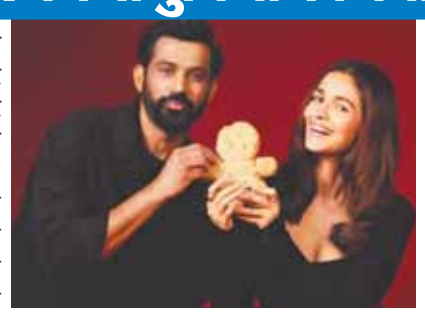

आलिया भट्ट ने कहा कि जब उन्होंने पहली बार तुम्बाड देखी थी, तभी से इसकी दुनिया उनके दिल और दिमाग में बस गई थी। उन्होंने कहा, बहुत कम फिल्में ऐसी होती हैं, जो अपनी अलग दुनिया रचकर दर्शकों को पूरी तरह उसमें डुबो देती हैं। उससे भी कम फिल्में ऐसी होती हैं, जो रिलीज के कई साल बाद भी लोगों की कल्पनाओं में जिंदा रहती हैं। यही वजह है कि इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास है।

अभिनेत्री ने यह भी बताया कि वह सोहम शाह और नवाजुद्दीन सिद्दीकी जैसे बेहतरीन कलाकारों के साथ काम करने को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि दर्शकों को इस बार तुम्बाड की कहानी पहले से कहीं अधिक रहस्यमयी और रोमांचक अंदाज में देखने को मिलेगी। फिल्म के अभिनेता और निर्माता सोहम शाह ने आलिया का स्वागत करते हुए कहा कि उनका फिल्म से जुड़ना पूरी टीम के लिए खुशी की बात है।

स्वच्छ ईंधन की दौड़ में भारत अकेला नहीं दुनिया के कई देश अपना चुके हैं ई-20

नई दिल्ली। पिछले कुछ समय से देश में पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण (ई20) को लेकर काफी चर्चा हो रही है। देश भर में लोगों ने इसे लेकर सवाल उठाए हैं और सरकार के इस फैसले का विरोध किए हैं। लेकिन वैश्विक तस्वीर कुछ और ही कहानी बयां करती है। दरअसल, भारत इस दिशा में अकेला नहीं है। दुनिया के कई बड़े और विकसित देश पहले से ही पेट्रोल में एथेनॉल ब्लेंडिंग को अपनाकर स्वच्छ ईंधन, ऊर्जा सुरक्षा और आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इतना ही नहीं, कुछ देश तो ई30, ई85 और यहां तक कि ई100 जैसे उच्च स्तर के एथेनॉल मिश्रण पर भी काम कर रहे हैं। ऐसे में भारत का ई20 अभियान वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन का ही एक हिस्सा माना जा रहा है। ग्लोबल बायोएथेनॉल ब्लेंडिंग पॉलिसीज मैप ग्राफिक्स में दर्शाए गए विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, दुनिया भर में पेट्रोल पर निर्भरता कम करने, कार्बन उत्सर्जन घटाने और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बायोएथेनॉल ब्लेंडिंग को तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कई देशों ने अपने यहां एथेनॉल मिश्रण के लिए अलग-अलग लक्ष्य तय किए हैं, जबकि कुछ देश आने वाले वर्षों में ब्लेंडिंग प्रतिशत को और बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। यह वैश्विक रुझान बताता है कि स्वच्छ ईंधन की दिशा में दुनिया तेजी से आगे बढ़ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत फिलहाल ई20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण) तक पहुंच चुका है और 2030 तक ई30 लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे स्पष्ट होता है कि भारत स्वच्छ ईंधन अपनाने वाले प्रमुख देशों में शामिल हो चुका है और आने वाले वर्षों में एथेनॉल आधारित ईंधन के उपयोग को और बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है।

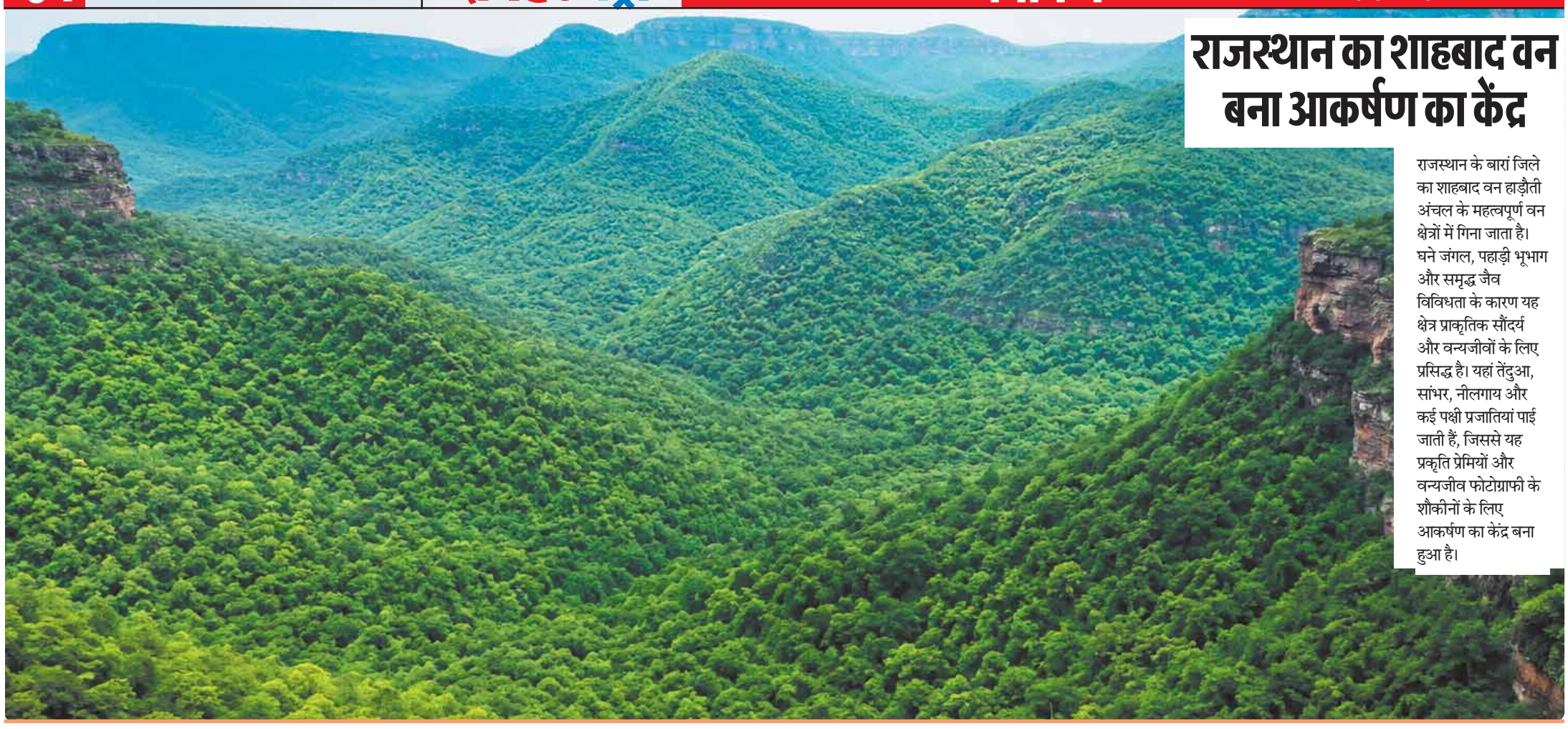

राजस्थान का शाहबाद वन बना आकर्षण का केंद्र

राजस्थान के बारां जिले का शाहबाद वन हाड़ौती अंचल के महत्वपूर्ण वन क्षेत्रों में गिना जाता है। घने जंगल, पहाड़ी भूभाग और समृद्ध जैव विविधता के कारण यह क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवों के लिए प्रसिद्ध है। यहां तेंदुआ, सांभर, नीलगाय और कई पक्षी प्रजातियां पाई जाती हैं, जिससे यह प्रकृति प्रेमियों और वन्यजीव फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता आज से लागू, 99% भारतीय निर्यात पर जीरो ड्यूटी

ब्रिटेन का बाजार अब भारत के लिए और खुला, निर्यात को मिलेगा बड़ा सहारा

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) आज से लागू हो गया है। इसे पिछले कुछ वर्षों में भारत के सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौतों में से एक माना जा रहा है। सरकार का दावा है कि इससे किसानों, श्रमिकों, एमएसएमई, निर्यातकों और सेवा क्षेत्र को जबरदस्त लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल में लागू होने वाला यह छठा मुक्त व्यापार समझौता है। इससे पहले भारत मॉरीशस, यूएई, ऑस्ट्रेलिया, ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) और ओमान के साथ ऐसे समझौते लागू कर चुका है।

भारत-यूके सीईटीए केवल टैरिफ घटाने वाला समझौता नहीं, बल्कि व्यापार, निवेश, सेवाओं और रोजगार के नए अवसरों का व्यापक ढांचा है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के अनुसार, यह भारत के व्यापारिक इतिहास का एक अहम पड़ाव है। इससे टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाएं कम होंगी। भारतीय उद्योगों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और किसानों, उद्योगों, महिला उद्यमियों, स्टार्टअप तथा युवा पेशेवरों को नए अवसर मिलेंगे।

इस करार से भारत के करीब 99 फीसदी निर्यात को ब्रिटिश बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। इसके अलावा ब्रिटेन से आने वाले कई उत्पादों पर आयात शुल्क घटाया जाएगा। इससे कीमतों में कमी आएगी। पहली बार ब्रिटेन की कंपनियों को भारत सरकार की करीब 40 हजार उच्च मूल्य वाली निविदाओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा। परिवहन, हरित ऊर्जा और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में कामकाज की गुणवत्ता में सुधार होगा।

इन उद्योगों को फायदा

रेडीमेड गारमेंट और टेक्सटाइल, फुटवियर, कालीन उद्योग, प्रोसेस्ड फूड, अनाज, फल और सब्जियां, मसाले, मछली और समुद्री उत्पाद, मांस एवं प्रोसेस्ड फूड, ऑटोमोबाइल एवं ऑटो पार्ट्स, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, सिरेमिक, ग्लास, सीमेंट एवं स्टोन उत्पाद।

यह होगा सस्ता

सैल्मन मछली, लैम्ब (भेड़ का मांस), मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, चॉकलेट, सॉफ्ट ड्रिंक्स, कॉस्मेटिक्स, साबुन, परफ्यूम, शेविंग क्रीम, नेल पॉलिश।

ऑटो सेक्टर में होगा सबसे बड़ा बदलाव

यह पहला मौका है, जब भारत ने किसी एफटीए में ब्रिटेन में बनी पूरी तरह तैयार कारों और ट्रकों पर इतनी बड़ी सीमा शुल्क रियायत दी है। पूरी तरह बनी कारों पर आयात शुल्क 110 फीसदी से चरणबद्ध तरीके से घटाकर 10 फीसदी किया जाएगा। पेट्रोल और डीजल कारों को शुरुआत से ही रियायत मिलेगी। इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और हाइड्रोजन कारों को छठे वर्ष से रियायत मिलेगी, ताकि भारतीय ईवी उद्योग को शुरुआती पांच वर्षों तक सुरक्षा मिल सके। पहले 15 वर्षों में रियायती शुल्क पर 3.78 लाख ब्रिटिश यात्री वाहनों के आयात की अनुमति होगी। ट्रकों पर शुल्क 44 फीसदी से घटकर पांचवें वर्ष तक 8.8 फीसदी हो जाएगा।

क्या है सीईटीए

सीईटीए के तहत भारत और ब्रिटेन सैकड़ों उत्पादों पर आयात शुल्क कम या समाप्त करेंगे। इसके अलावा डिजिटल व्यापार, सरकारी खरीद, एमएसएमई, निवेश, बौद्धिक संपदा, श्रम, पर्यावरण और सेवा क्षेत्र से जुड़े नियमों को भी सरल बनाया गया है। समझौते में कुल 30 अध्याय शामिल हैं, जिससे इसे भारत का सबसे व्यापक एफटीए माना जा रहा है।

स्कॉच व्हिस्की के दाम घटेंगे

स्कॉच व्हिस्की समेत कई प्रीमियम विदेशी शराबों पर भी आयात शुल्क में कटौती होगी। स्कॉच व्हिस्की पर मौजूदा 150 फीसदी शुल्क पहले चरण में 75 फीसदी और दस वर्षों में घटकर 40 फीसदी रह जाएगा।

संवेदनशील उत्पाद समझौते से बाहर

भारत ने सेब, अखरोट, व्हे, कुछ बीज, सोने की ईंटों व स्मार्टफोन जैसे संवेदनशील उत्पादों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। वहीं ब्रिटेन ने भी चावल, चीनी व कुछ मांस उत्पादों को समझौते के दायरे से बाहर रखा है।

आईटी कंपनियों के लिए बड़ी राहत

समझौते के साथ लागू हुए डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन के तहत भारत से ब्रिटेन जाने वाले कर्मचारियों और उनके नियोक्ताओं को पांच वर्ष तक ब्रिटेन में सोशल सिक्योरिटी योगदान नहीं देना होगा।

तलाशी अभियान के दौरान हिंसा

मणिपुर में असम राइफल्स कैंप पर हमला, तीन वाहन फूंके

मणिपुर/सेनापति। एजेंसी

मणिपुर के सेनापति जिले में असम राइफल्स के एक कैंप पर देर रात हिंसक भीड़ ने हमला कर दिया। भीड़ ने कैंप पर पथराव किया, तोड़फोड़ की और सुरक्षा बलों के तीन वाहनों को आग के हवाले कर दिया। यह घटना उस तलाशी अभियान के कुछ घंटे बाद हुई, जिसे असम राइफल्स ने विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर चलाया था। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी के अनुसार, असम राइफल्स को सूचना मिली थी कि माकुइलोंगदी इलाके में हथियारबंद उग्रवादी मौजूद हैं। यह स्थान एनएससीएन (आईएम) के ओकलोंग स्थित निर्धारित कैंप से करीब दो किलोमीटर पश्चिम में है। इसी सूचना के आधार पर इलाके में गश्त और तलाशी अभियान शुरू किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि खुफिया रिपोर्ट और सोशल मीडिया पोस्ट से पता चला था कि कुछ हथियारबंद उग्रवादी निर्धारित कैंपों से बाहर हथियार और वर्दी के साथ घूम रहे थे। इसे संघर्षविराम (सीजफायर) के नियमों का उल्लंघन माना गया। इस संबंध में सीजफायर मॉनिटरिंग ग्रुप (सीएफएमजी) को भी औपचारिक रूप से जानकारी दी गई थी। वहीं, तलाशी अभियान के दौरान जब असम राइफल्स की टीम माकुइलोंगदी और ओकलोंग गांवों की ओर बढ़ी, तब स्थानीय लोगों, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं, ने जवानों को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश की। इससे इलाके में तनाव बढ़ गया।

रात में कैंप पर हमला

अधिकारियों के मुताबिक, रात करीब नौ बजे खबर मिली कि सेनापति शहर में बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो रहे हैं और असम राइफल्स कैंप की ओर बढ़ने की तैयारी कर रहे हैं। इसके बाद सुरक्षा बलों की टीम तलाशी अभियान से वापस लौट आई। इसके बावजूद रात करीब 9:30 बजे बड़ी भीड़ कैंप तक पहुंच गई और पथराव शुरू कर दिया। भीड़ ने कैंप की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के साथ आगजनी की भी कोशिश की।

वंदे भारत बनी पहली पसंद, यात्रियों की संख्या में 83% की बढ़ोतरी और कमाई भी 72% बढ़ी

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय रेल की अर्ध-उच्च गति वाली वंदे भारत ट्रेनों की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। बेहतर सुविधाएं, कम यात्रा समय और आरामदायक सफर के कारण यात्री अब इन प्रीमियम ट्रेनों को प्राथमिकता दे रहे हैं। यही वजह है कि अधिक किराया होने के बावजूद वंदे भारत ट्रेनों में यात्रियों की संख्या और आय दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

उत्तर रेलवे के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल से जून 2026 के दौरान वंदे भारत ट्रेनों में 1 लाख 47 हजार 462 यात्रियों ने सफर किया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह संख्या 80 हजार 394 थी। इस तरह यात्री संख्या में 83 फीसदी की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं, इन ट्रेनों से होने वाली आय 7.67 करोड़ रुपये से बढ़कर 13.21 करोड़ रुपये पहुंच गई, जो 72 फीसदी की वृद्धि को दर्शाती है। रेलवे के अनुसार ट्रेन के प्रारंभिक स्टेशन से यात्रा शुरू करने वाले यात्रियों की संख्या 11.43 करोड़ से बढ़कर 12.07 करोड़ हो गई, जो 5.6 फीसदी की वृद्धि है। वहीं प्रारंभिक यात्री आय 3,083.42 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,567.59 करोड़ रुपये पहुंच गई, जिसमें 15.7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

हरियाणा : रेवाड़ी में एक प्राइवेट बस पेड़ से टकराई, एक की मौत और दर्जनभर घायल

रेवाड़ी। रेवाड़ी से कोसली जा रही यात्रियों से भरी एक निजी बस बुधवार को कोसली-टूमना रोड पर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े पेड़ से जा टकराई। इस भीषण हादसे में एक यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दर्जनभर से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़े। जानकारी के अनुसार बस में बड़ी संख्या में यात्री सवार थे, जो रेवाड़ी से कोसली की ओर जा रहे थे। रास्ते में अचानक बस चालक का नियंत्रण वाहन से हट गया, जिसके चलते बस सीधे पेड़ से टकरा गई।

इंदौर-आबू धाबी विमान सेवा की आज शुरुआत करेंगे सीएम डॉ. मोहन यादव

भोपाल/इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज इंदौर में मध्य प्रदेश नागरिक विमानन नीति-2025 के तहत प्रदेश की पहली अंतर्राष्ट्रीय हवाई सेवा का शुभारंभ करेंगे। शहर से पहली फ्लाइट आबू धाबी के लिए उड़ान भरेगी। यह उड़ान इंदौर को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी आबू धाबी से सीधे जोड़ेगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा संचालित यह सेवा सप्ताह में चार दिन (सोमवार, बुधवार, शुक्रवार एवं रविवार) को उपलब्ध रहेगी। इंदौर से आबू धाबी हवाई सेवा प्रारंभ होने से मालवा-निमाड़ क्षेत्र की बड़ी आबादी को लाभ मिलेगा। वर्तमान में इस मार्ग पर यात्रियों को दिल्ली अथवा मुंबई के माध्यम से यात्रा करनी पड़ती है, जिससे लगभग 7 से 8 घंटे का समय लगता है. नई उड़ान शुरू होने से यह यात्रा लगभग 3 घंटे 15 मिनट में पूरी हो सकेगी। इससे व्यापार, निवेश, पर्यटन और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। राज्य सरकार नागरिक विमानन नीति-2025 के माध्यम से प्रदेश में हवाई संपर्क का निरंतर विस्तार कर रही है। नीति के अंतर्गत अब तक 8 नए हवाई मार्ग स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनमें से 4 पर सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं और शेष मार्गों पर भी शीघ्र सेवाएं शुरू की जाएंगी। नीति के अंतर्गत मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल (एमआरओ) परियोजनाओं के लिए 40 प्रतिशत तक पूंजीगत सब्सिडी तथा एयर कार्गो परियोजनाओं के लिए पूंजीगत सब्सिडी उपलब्ध कराई जा रही है।

मेट्रो एंकर फ्रांस ने 8 महीने में विकसित की नई क्षमता, भारतीय वायुसेना को भी मिलेगा लाभ

राफेल बना ड्रोन शिकारी, आसमान में ही होगा दुश्मन का खात्मा

नई दिल्ली। एजेंसी

आधुनिक युद्ध में ड्रोन सबसे बड़ा खतरा बनकर उभरे हैं और इसी चुनौती से निपटने के लिए फ्रांस ने अपने अत्याधुनिक लड़ाकू विमान राफेल को नई मारक क्षमता से लैस कर दिया है। फ्रांस ने राफेल में 68 मिमी लेजर निर्देशित रॉकेट को सफलतापूर्वक शामिल कर लिया है, जो कम लागत में दुश्मन के ड्रोन को हवा में ही नष्ट करने में सक्षम होगा।

फ्रांस के आयुध महानिदेशालय ने 7 जुलाई 2026 को इस प्रणाली के सफल परीक्षण की पुष्टि की। यह परियोजना एलएडीएसी कार्यक्रम के तहत विकसित की गई है, जिसका उद्देश्य महंगी हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के स्थान पर सस्ता और प्रभावी विकल्प उपलब्ध कराना है। इस परियोजना को अनुबंध के बाद आठ महीने से भी कम समय में पूरा किया गया। फ्रांस की दासो एविएशन, थेल्स और वायु एवं अंतरिक्ष बल ने मिलकर इस प्रणाली का विकास किया है। जुलाई के अंत तक इसके पहले उपकरण फ्रांसीसी वायुसेना को सौंप दिए जाएंगे। भारत के लिए भी यह उपलब्धि महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारतीय वायुसेना पहले से 36 राफेल विमानों का संचालन कर रही है और अतिरिक्त विमानों की खरीद की प्रक्रिया भी जारी है। ऐसे में भविष्य में भारतीय राफेल विमानों को भी इस नई तकनीक से लैस किए जाने की संभावना बढ़ गई है।

महंगी मिसाइलों पर पड़ेगा खर्च का ब्रेक

ड्रोन युद्ध के इस दौर में लाखों डॉलर कीमत वाली मिसाइलों से सस्ते ड्रोन को मार गिराना आर्थिक रूप से नुकसानदेह माना जाता है। फ्रांसीसी एमआईसीए मिसाइल की कीमत करीब 20 लाख डॉलर बताई जाती है, जबकि ईरान के शाहेद-136 जैसे ड्रोन लगभग 50 हजार डॉलर में तैयार हो जाते हैं। इसी असंतुलन को दूर करने के लिए फ्रांस ने लेजर निर्देशित रॉकेट विकसित किया है। यह तकनीक कम लागत में अधिक लक्ष्य भेदने की क्षमता प्रदान करेगी।

भारत की हवाई ताकत को मिलेगा नया कवच

भारत ने वर्ष 2016 में फ्रांस से 36 राफेल लड़ाकू विमान खरीदे थे, जो अब भारतीय वायुसेना की रीढ़ माने जाते हैं। इसके अलावा भारत 114 अतिरिक्त राफेल विमानों की खरीद की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। प्रस्तावित विमानों में से अधिकांश का निर्माण भारत में किए जाने की योजना है। ऐसे में राफेल के इस नए उन्नयन का सीधा लाभ भारत को मिल सकता है। सीमाओं पर बढ़ते ड्रोन खतरे और बदलती युद्ध रणनीतियों के बीच यह तकनीक भारतीय वायुसेना की रक्षा क्षमता को नई मजबूती प्रदान करेगी।

अमेरिका के भूकंप वैज्ञानिक को चीन ने 2 साल से बना रखा बंधक

वाशिंगटन। एजेंसी

अमेरिका के एक भूकंप वैज्ञानिक को चीन ने लगभग 2 साल में हिरासत में रखा है। वैज्ञानिक का नाम यूलिन चेन है और वह चीन में ही जन्मे हैं। चीन उन पर जासूसी के आरोप में मुकदमा चला रहा है। यूलिन चेन की पत्नी युफांग रोंग खुद भी एक भूकंप वैज्ञानिक हैं। रोंग ने कहा कि डोनल्ड ट्रंप ने अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान शी चिनफिंग के सामने यह मुद्दा उठाया था और चिनफिंग ने वादा भी किया था कि वह इस मामले को देखेंगे, लेकिन तब से अब तक चीन की तरफ से इस पर अपडेट नहीं आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि चीन ने उनके पति को पहले से ही जासूसी मामले में दोषी ठहराने का फैसला कर लिया है और इसके लिए उन्हें उम्रकैद या मौत की सजा भी हो सकती है। मामले पर टिप्पणी करते हुए मंगलवार को चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि चीन में कानून का पालन होता है और गलत हिरासत जैसी कोई बात नहीं है। अमेरिका के पूर्व सुरक्षा अधिकारी एरिक लेब्सन का कहना है कि चीन यूलिन चेन की विशेषज्ञता का इस्तेमाल जमीन के नीचे किए जाने वाले परमाणु हथियारों के परीक्षण को छिपाने की क्षमता को और बेहतर बनाने के लिए करना चाहता है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564